05 जुलाई 2025
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

13वीं बार निर्विरोध राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने लालू प्रसाद यादव 4

72 की मौत, 37 लापता: हिमाचल में बारिश-बादल फटने से मचा तांडव, रेड अलर्ट ने बढ़ाई चिंता

♦ बादल फटने की लगभग 19 घटनाओं व अचानक आई बाढ़ के कारण मची भारी तबाही

एजेंसी/नई दिल्ली

बारिश के कारण तांडव का हिमाचल प्रदेश में रूकने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदेश में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं लोगों पर कहर बनकर टूटी हैं। हिमाचल में बादल फटने और बादल फटने से आई तबाही में अब तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं 37 लोग अब तक लापता हैं। हालांकि मॉनसून के दौरान हिमाचल की परेशानी कम नहीं हुई है।

मौसम विभाग ने रविवार के लिए हिमाचल में रेड अलर्ट जारी किया है। इसे लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार पूरी तरह से अलर्ट है। साथ ही, उन्होंने प्रदेश के प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने की कही। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बादल फटने की करीब 19 घटनाओं और इसके बाद अचानक आई बाढ़ के कारण व्यापक तबाही हुई है।

रेड अलर्ट के कारण पूरी तरह से सतर्क है सरकार : हिमाचल में मौसम विभाग की रेड अलर्ट की चेतावनी ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने हिमाचल के तीन जिलों में छह जुलाई के लिए रेड अलर्ट की चेतावनी दी है और अन्य जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार रेड अलर्ट के कारण पूरी तरह से सतर्क है और पूरी तैयारी है। उन्होंने कहा कि मंडी के प्रभावित क्षेत्र में राहत और बचाव कार्य तेजी से चल रहा है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं और पीडब्ल्यूडी मंत्री भी क्षेत्र में सड़कों की स्थिति और मरम्?मत के काम का जायजा लेने के लिए निकले हैं। सीएम ने कहा कि मौसम साफ होने पर खुद फिर से दौरा करूंगा। उन्होंने कहा कि खच्चरों माध्यम से राहत सामग्री पहुंचाई गई है। कुछ सड़को को खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार हर तरह से प्रभावित परिवारों की मदद करने में लगी है।

मंडी जिले में मची सबसे ज्यादा तबाही : हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में सबसे ज्यादा तबाही सिराज विधानसभा क्षेत्र में हुई है. यह पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का विधानसभा क्षेत्र है। यहां पर अब तक करीब 15 लोगों की मौत हुई है और करीब 30 लोग लापता हैं। मामले को लेकर जयराम ठाकुर ने सरकार से कहा है कि मेरे क्षेत्र में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। सरकार जल्द सड़कें खोलें और गरीबों की सहायता के लिए राशन पहुंचाए।

खबरें फटाफट

छांगुर बाबा को एटीएस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण के एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए यूपी एटीएस ने जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार किया है। मामले में दर्ज एफआईआर के आधार पर दूसरी आरोपी नीतू रोहरा उर्फ नसरीन को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, जमालुद्दीन खुद को हाजी पीर जलालुद्दीन के नाम से प्रचारित करता है, उस पर लड़कियों को बहला-फुसलाकर जबरन धर्मांतरण करवाने का आरोप है। हर जाति की लड़कियों का रेट फिक्स था। वह बलरामपुर के उटरौला कस्बे में एक लंबे समय से धर्मांतरण का नेटवर्क चला रहा था। इस नेटवर्क के लिए कथित तौर पर विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की फंडिंग भी मिलने की बात सामने आ रही है। लॉ एंड ऑर्डर एडीजीपीअमिताभ यश ने बताया कि यूपी एसटीएफ को सूचना मिली थी कि बलरामपुर जिले के उटरौला कस्बे में एक व्यक्ति छांगुर बाबा उर्फ जमालुद्दीन बाबा, खुद को हाजी पीर जलालुद्दीन के नाम से प्रचारित करता है, वह एक संगठित धर्मांतरण नेटवर्क चला रहा है। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी अपने एजेंटों के जरिए लड़कियों को बहलाकर धर्मांतरण के लिए प्रेरित करता था। यह भी सामने आया है कि इस नेटवर्क को 100 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी फंडिंग मिली है।

पटना के बड़े व्यवसायी की हत्या के बाद गरमाई राजनीति, विपक्ष ने लगाए आरोप

गोपाल खेमका की हत्या में शामिल अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे: मुख्यमंत्री

केटी न्यूज/पटना

♦ घटना के बाद सीएम ने शनिवार को बुलाई आपात बैठक, शामिल हुए पुलिस विभाग बड़े अधिकारी

राजधानी पटना में चार जुलाई की देर रात को मशहूर बिजनेसमैन गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपने घर के बाहर अपनी गाड़ी से उतर रहे थे, इसी बीच एक अपराधी ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक समीक्षा बैठक की। नीतीश कुमार ने कहा कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इधर विपक्षी पार्टियां सरकार पर हमला कर रही हैं। उनका कहना है कि बिहार में कानून का राज खत्म हो गया है। नीतीश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर हुई समीक्षा बैठक में सीएम नीतीश कुमार के साथ पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल थे। नीतीश कुमार ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ें और उन्हें कड़ी सजा दें। नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इस बारे में जानकारी दी।

उन्होंने लिखा अपने प्लेटफॉर्म एक्स से बताया कि एक अणे मार्ग स्थित संकल्प में पुलिस महानिदेशक एवं अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध करने वाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाए। घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाने और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी एवं कड़ाई से कार्य करने का निर्देश दिया है।'

विपक्षियों ने मांगा मुख्यमंत्री से इस्तीफा : इस घटना के बाद बिहार की राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि खेमका परिवार ने घटना के बाद सीनियर एसपी, डीएसपी और स्थानीय थाने में फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट को फोन किया गया, जिन्होंने फोन उठाया। उन्हें बताया गया कि पुलिस जवाब नहीं दे रही है और उन्हें मदद की जरूरत है। राजेश कुमार ने आरोप लगाते हुए आगे कहा कि जिला मजिस्ट्रेट को फोन करने के तीन घंटे बाद पुलिस पहुंची। उन्होंने नीतीश कुमार के शासन को बीमार बताया और मांग की कि नीतीश कुमार और एनडीए गठबंधन को इस मुद्दे पर इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की भी मांग की।

हर महीने व्यापारियों की हत्या हो रही, इसे जंगलराज क्यों नहीं कह सकते: वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पटना में थाने से कुछ ही कदम दूर, बिहार के एक प्रमुख व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई! उन्होंने सवाल उठाया कि बिहार में हर महीने सैकड़ों व्यापारियों की हत्या की जा रही है, लेकिन इसे जंगल राज क्यों नहीं कहा जा सकता? उन्होंने मीडिया मैनेजमेंट और परसेप्शन मैनेजमेंट पर भी सवाल उठाए। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में हर महीने सैकड़ों व्यापारियों की हत्या की जा रही है, लेकिन हम इसे जंगल राज नहीं कह सकते? क्योंकि यही तो शास्त्रों में मीडिया मैनेजमेंट, परसेप्शन मैनेजमेंट और इमेज मैनेजमेंट कहते हैं।

अपराधियों को पाताल से खींचकर लाएंगे: सिन्हा

पटना। गोपाल खेमका हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। सीसीटीवी फुटेज और लोकल इनपुट्स के जरिए पुलिस जल्द खुलासा करने का दावा कर रही है। इस बीच उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि अपराधियों को पाताल से खींचकर लाया जाएगा। जो भी इस जघन्य कृत्य में शामिल हैं, चाहे वो धरती के किसी कोने में छिपे हों, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। अब सिर्फ गिरफ़्तारी नहीं, जरूरत पड़ी तो एनकाउंटर भी होगा। अगर अपराधियों के घर पर बुलडोजर चलाना पड़े तो प्रशासन पीछे नहीं हटेगा। बिहार पुलिस और प्रशासन को पूरी छूट दी गई है। अब कोई राजनीतिक या कानूनी ढाल नहीं, केवल कठोरतम कार्रवाई होगी।

परिजनों से मिले डिप्टी सीएम: उपमुख्यमंत्री ने शनिवार की सुबह गोपाल खेमका के परिजनों से मिलने उनके घर गए थे। इस दौरान गोपाल खेमका की मां ने रोते हुए अपना दुख-दर्द साझा किया था। डिप्टी सीएम इस मामले पर जल्द न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। मुलाकात के बाद उन्होने ट्वीट कर कहा कि बीती रात एक्जीविशन रोड पर पटना के प्रतिष्ठित व्यवसायी गोपाल खेमका की अपराधियों द्वारा निर्मम हत्या कर दी गई। यह केवल एक हत्या नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने की कोशिश है। उनके शोकसंतप्त परिवार से मिला। इस दुःख की घड़ी में हम सभी उनके साथ हैं।

पीएनबी बैंक घोटाले मामले में नीरव मोदी का भाई नेहाल मोदी अमेरिका में गिरफ्तार

घोटले और साक्ष्य मिटाने का है आरोप

एजेंसी/नई दिल्ली

♦ हजारों करोड़ के काले धन को किया है सफेद

देश के सबसे बड़े बैंक घोटालों में से एक पंजाब नेशनल बैंक घोटाले से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। अमेरिकी अधिकारियों ने नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरफ्तारी की जानकारी अमेरिकी न्याय विभाग ने भारतीय एजेंसियों को दी है। नेहल मोदी की गिरफ्तारी भारत की प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा संयुक्त रूप से दिए गए प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई है।

अमेरिकी अभियोजन पक्ष द्वारा दायर शिकायत के अनुसार भारत में नेहल मोदी के खिलाफ दो बड़े आरोपों पर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया चलाई जा रही है। इन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। आपराधिक साजिश और सबूतों को मिटाने का आरोप भी है, जो भारतीय दंड संहिता की धारा 120-इ और 201 के तहत आता है। नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने अपने भाई नीरव मोदी की मदद से घोटाले से कमाए गए हजारों करोड़ रुपये के काले धन को सफेद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जांच में सामने आया है कि नेहल ने शेल कंपनियों और विदेशों में किए गए लेन-देन के जरिए इन पैसों को छिपाया और इधर-उधर भेजा।

भारत सरकार ने प्रत्यर्पण की मांग की है: नीरव मोदी पहले से ही लंदन में गिरफ्तार है और उसके खिलाफ भी भारत सरकार ने प्रत्यर्पण की मांग की हुई है। नेहल मोदी के प्रत्यर्पण मामले में अगली सुनवाई आगामी 17 जुलाई को होगी, जब अदालत में स्टेटस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। इस दौरान नेहल मोदी की ओर से जमानत की अर्जी दाखिल की जा सकती है, लेकिन अमेरिकी अभियोजन पक्ष ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह जमानत का विरोध करेगा। यह कार्रवाई भारत की जांच एजेंसियों के लिए बड़ी कामयाबी मानी जा रही है, जो कई सालों से इस अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अपराध से जुड़े आरोपियों को न्याय के कटघरे में लाने के प्रयास में जुटी हुई हैं।

हिंदी थोपे जाने के खिलाफ एकजुट हों: सीएम

एजेंसी/नई दिल्ली

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उद्धव और राज ठाकरे का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और यहां की जनता ने पीढ़ियों से हिंदी 'थोपने' के खिलाफ जो संघर्ष किया है, वह अब राज्य की सीमाओं को पार कर महाराष्ट्र में भी जोरदार विरोध के रूप में उभरा है।

स्टालिन ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा यह शर्त रखती है कि तमिलनाडु में हिंदी तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाए। तभी केंद्र सरकार फंड देगी, अब दूसरी बार महाराष्ट्र में जनता के आक्रोश के चलते बीजेपी पीछे हटने को मजबूर हुई है, जहां खुद उनकी ही सरकार है। स्टालिन ने कहा कि मुंबई में आज भाई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में हिंदी थोपने के खिलाफ हुई विजय रैली में जोशीले भाषणों और जनज्वार ने हमें बेहद उत्साहित किया है। मैं जानता हूं कि केंद्र, जो केवल हिंदी और संस्कृत के प्रचार-प्रसार में लगी रहती है, राज ठाकरे के सवालों का कोई जवाब नहीं दे सकती।

हथियार डीलर संजय भंडारी आर्थिक अपराधी घोषित

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली की एक विशेष अदालत ने शनिवार को हथियारों के डीलर संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। प्रवर्तन निदेशालय के आवेदन के बाद यह फैसला आया। विशेष अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम 2018 के तहत यह आदेश जारी किया। यह फैसला भंडारी को यूनाइटेड किंगडम से प्रत्यर्पित करने के भारत के प्रयासों को मजबूत करेगा। भंडारी 2016 में लंदन भाग गया था, जब कई जांच एजेंसियों ने उसकी गतिविधियों की जांच शुरू कर दी थी।

इस घटनाक्रम से रॉबर्ट वाड्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वाड्रा पर हथियारों के डीलर के साथ संबंध होने के आरोप हैं और उनकी जांच चल रही है। एक महीने से भी कम समय पहले, वाड्रा को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नए समन जारी किए गए थे। इस मामले में भी भंडारी के साथ उनके संबंधों का आरोप है। ईडी ने 2023 में आरोप पत्र दाखिल किया था। ईडी का आरोप है कि भंडारी ने 2009 में लंदन में एक संपत्ति खरीदी और उसका नवीनीकरण कराया। आरोप है कि यह पैसा वाड्रा ने दिया था। वाड्रा ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इन्कार किया है। उन्होंने आरोपों को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए परेशान किया जा रहा है। वाड्रा ने कहा कि मुझे राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सताया और परेशान किया जा रहा है। भंडारी के खिलाफ यह कार्रवाई ईडी की एक बड़ी सफलता है।

बिहार में वोटर लिस्ट की जांच के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा एडीआर

लाखों लोगों को वोट डालने से रोका जा सकता है: एडीआर

एजेंसी/नई दिल्ली

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। यह याचिका इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के एक फैसले के खिलाफ है। ईसीआई बिहार में वोटर लिस्ट को फिर से जांचने का काम कर रही है। याचिका में कहा गया है कि ईसीआई का यह आदेश ठीक नहीं है। याचिका में यह भी कहा गया है कि इससे लाखों लोगों को वोट डालने से रोका जा सकता है, यानी उनका नाम वोटर लिस्ट से हटाया जा सकता है।

आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती: लाइव लॉ ने एक्स पर पोस्ट किया है कि सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर हुई है, यह याचिका भारतीय चुनाव आयोग के एक फैसले के खिलाफ है, जिसमें बिहार में वोटर लिस्ट को दुबारा जांचने का आदेश दिया गया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स नाम की संस्था ने यह याचिका दायर की है। उनका कहना है कि ईसीआई का यह आदेश मनमाना है। इससे लाखों लोगों को वोट डालने से रोका जा सकता है।

बिहार में लगभग 1.5 करोड़ घरों का दौरा किया: इससे पहले चुनाव आयोग की ओर से बताया गया कि बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) ने बिहार में लगभग 1.5 करोड़ घरों का दौरा किया है। यह दौरा शुक्रवार को पूरा हो गया। 24 जून, 2025 तक बिहार में 7,89,69,844 (लगभग 7.90 करोड़) मतदाता हैं। इनमें से 87 प्रतिशत मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म यानी गणना प्रपत्र दिए जा चुके हैं। यह विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-रक्फ़) के दौरान किया गया है। कुछ घर बंद थे, या उनमें रहने वाले लोग अब दुनिया में नहीं हैं। कुछ लोग दूसरे शहरों में चले गए थे, या कहीं घूमने गए थे। इसलिए उन घरों तक बीएलओ नहीं पहुंच पाए। बीएलओ इस काम के दौरान तीन बार घरों का दौरा करेंगे। इसलिए, यह संख्या और भी बढ़ सकती है।

छात्रों के सर्वांगीण विकास का बेहतर माध्यम है खेल : डॉ. अजीत

♦ मुरार हाई स्कूल में हुआ दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलकूद

केटी न्यूज/बक्सर

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद बेहतर माध्यम है। खेल से जहां शरीर स्वस्थ्य व तंदरूस्त रहता है, वहीं, इससे टीम भावना, अनुशासन, स्वस्थ्य प्रतिस्पर्द्धा आदि की भावना का विकास होता है। उक्त बातें शनिवार को मुरार हाई स्कूल परिसर में डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने कही। अवसर था प्रखंड स्तरीय दो दिवसीय मशाल खेलकूद प्रतियोगिता का। जिसमें डुमरांव विधायक बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना भी दी और कहा कि आज के दौर में खेलकूद शरीर को स्वस्थ्य रखने के साथ ही कैरियर निर्माण का भी सशस्त माध्यम बन गया है। प्रतियोगिता का संचालन संसाधन शिक्षक राजकुमार तिवारी ने जबकि अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुरेश प्रसाद ने किया। बीईओ ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रखंड के विभिन्न संकुल स्तरों पर चयनित अंडर-14 और अंडर-16 आयु वर्ग के छात्र-छात्राएं भाग ले रहे है। मशाल 2024 की संरचना विद्यालय स्तर से राज्य स्तर तक की गई है। प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता 5 जुलाई से 8 जुलाई तक आयोजित

की जा रही है। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल और वॉलीबॉल जैसी विधाओं में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य गांव मोहल्ले में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्रदान करना है। साथ ही खिलाड़ियों को उचित मंच प्रदान कर उसे अपने प्रतिभा का परचम लहराने का अवसर प्रदान करना है। इसमें चयनित खिलाड़ी जिला एवं राज्य स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस मौके पर उपस्थित वरीय उप समाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा आदित्य कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

बारिश ने रोका जोश, बाधित हुआ केसठ में आयोजित प्रखंड स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता

केसठ। शनिवार को केसठ उच्च विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित प्रखंड स्तरीय बीआरसी मशाल खेल प्रतियोगिता बारिश के कारण बीच में ही बाधित हो गई। 8 जुलाई को दोबारा खेल का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में केसठ, रामपुर और कतीकनार सीआरसी के अधीनस्थ मध्य और उच्च विद्यालयों के अंडर-14 तथा अंडर-16 वर्ष के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी बीडीओ लवकुश सिंह एवं बीईओ राजेश राम ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह के दौरान दोनों अधिकारियों ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल केवल हार-जीत का माध्यम नहीं बल्कि बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास का मूल आधार है।

अपने संबोधन में उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि प्रतियोगिता में कई खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा की तरफ सबका ध्यान खींचा है। मौके पर उच्च विद्यालय ओझा बरांव के प्रभारी प्रधानाध्यापक धीरज कुमार समेत विभिन्न स्कूलों के शिक्षक, अभिभावक और कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

एक नजर

महादेवा घाट पर स्नान के दौरान हादसा, युवक डूबा, समय रहते बचाई गई जान

बक्सर। गंगा नदी में स्नान करने गए एक युवक की जान उस वक्त खतरे में पड़ गई जब वह फिसल कर गहरे पानी में चला गया। घटना शनिवार की सुबह को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवा घाट की है। जानकारी के अनुसार चौसा स्टेशन निवासी संतोष माली का 18 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार अपने दोस्तों के साथ स्नान करने गया था। स्नान के दौरान घाट की सीढ़ियों पर जमा कीचड़ और पानी की वजह से अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गंगा के तेज बहाव में बहने लगा। यह देखकर घाट पर मौजूद अन्य लोग शोर मचाने लगे। मौके पर मौजूद कुछ युवकों ने साहस दिखाते हुए नदी में छलांग लगाई और डूबते प्रिंस को बाहर निकाला। आनन-फानन में प्रिंस को बेहोशी की हालत में चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया। सदर अस्पताल में डॉक्टरों की टीम प्रिंस का इलाज कर रही है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि काजू मिश्रा भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई। इस घटना के बाद महादेवा घाट पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लोगों ने प्रशासन से घाट पर फिसलन रोकने और बचाव प्रबंध करने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को टाला जा सके।

कंजिया प्राथमिक विद्यालय के पास गिरी आकाशीय बिजली, बाल-बाल बचे शिक्षक एवं छात्र

नावानगर। प्रखंड के कंजिया गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास शनिवार को दोपहर में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की घटना घटी। विद्यालय परिसर के पास स्थित एक महुआ के पेड़ पर बिजली गिरी, जिससे जोरदार धमाका हुआ। घटना के समय विद्यालय में शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे। सौभाग्यवश किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन विद्यालय के प्रधानाध्यापक जयन्त प्रधान व शिक्षक संतोष कुमार की बाइक क्षतिग्रस्त हुई है। इस आकाशीय बिजली गिरने से सभी काफी दहशत में हो गए थे।स्थानीय लोगों के अनुसार बिजली गिरने के दौरान तेज आवाज और चमक से आसपास के लोग भयभीत हो गए। स्कूल के कुछ बच्चे घटना के समय कक्षा में ही थे, जबकि कुछ बरामदे में खड़े थे। महुआ पेड़ पर बिजली गिरते ही स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

बच्चों में एफएलएन कौशल को लेकर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

बक्सर। शनिवार को केसठ प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में निपुण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। सर्वप्रथम इसका आयोजन प्रखंड संसाधन केंद्र परिसर में किया गया, जिसका उद्घाटन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजेश राम ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि यह मिशन प्राथमिक शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर है। इस अवसर पर नसरुद्दीन अंसारी अनिल कुमार, मनोज कुमार, नरेंद्र कुमार, मुकेश कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

डुमरांव पुलिस ने अभियान चलाकर छह वारंटियों को दबोचा

डुमरांव। स्थानीय थाना पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर छह वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सभी आरोपियों के खिलाफ डुमरांव थाने में पूर्व से मामले दर्ज थे, जिनमें कोर्ट द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे। प्रभारी थानाध्यक्ष मतेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के दौरान पकड़े गए सभी वारंटियों की पहचान डुमरांव नगर क्षेत्र के निवासी रोहित कुमार, राजू डोम, आकाश राजभर, सरल राजभर, लोहा राजभर और रमेश कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की तैयारी की जा रही है तथा कागजी कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे अभियानों का उद्देश्य फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर कानून व्यवस्था को सशक्त बनाना है।

रोड के दोनों तरफ नहीं बना नाली, जमा हो रहा घर से निकला पानी

डुमरांव । नगर परिषद के वार्ड 19 के लालगंज कड़वी मोहल्ले के प्रखंड कार्यालय के मुख्य गेट के सामने से जाने वाले रास्ते की स्थिति काफी खराब है। रोड के जिस तरफ अबादी नहीं है, उस तरफ नाली बना दिया गया है, जिससे लोगों को रोड में ही नाली को बना दिया गया है। इस रोड की सबसे खराब स्थिति उस समय हो गई जब नाली टूटकर बिखर गया और रोड पर पानी जमा होने लगा। रोड पर पानी जमा होने से लोगों का आना-जाना ही बंद हो गया है।

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 स्थित कमल नगर मोहल्ले में दोपहर में हुआ हादसा

बिजली विभाग की लापरवाही से गई ब्रह्मपुर के युवक की जान, बढ़ा आक्रोश

♦ सड़क से मात्र दो फीट उपर लटका था जर्जर तार, विभाग के प्रति गहराया आक्रोश

केटी न्यूज/डुमरांव

बिजली विभाग की लापरवाही ने एक युवक की जान ले ली है। यह लोमहर्षक घटना नगर के वार्ड 18 स्थित कमल नगर मोहल्ले में शनिवार को दोपहर बाद करीब तीन बजे की है। उसे करंट की चपेट में आया देख स्थानीय निवासियों ने बिजली कंपनी के अधिकारियों को फोन कर लाइन कटवाया, लेकिन तबतक उसकी मौत हो चुकी थी। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा जरूरी कागजी कार्रवाई कर शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुट गई है। काफी देर तक युवक की पहचान नहीं हो रही थी। रात में युवक की पहचान मृतक की शिनाख्त ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव के ललन जी के डेरा निवासी ब्रह्मानंद नोनिया के पुत्र जितेंद्र नोनिया के रूप में हुई है। डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष मतेंद्र कुमार ने इसकी पुष्टि की है। मृतक सिर्फ एक हाफ पैंट पहने था और गले में गमछा था। उसे देख आशंका जताई जा रही है कि वह मानसिक विक्षिप्त था तथा टेज्न से उतरा होगा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उसे पहले यहां कभी नहीं देखा गया है। शव हटाने से पहले करीब डेढ़ घंटे तक पुलिस ने उसके पहचान का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं हो सका। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय वार्ड पार्षद अनु देवी के प्रतिनिधि रितेश कुमार सिंह उर्फ भुटेली सिंह भी मौके पर पहुंचे।

उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से तत्काल जर्जर व लटके तार की मरम्मत कराने को कहा। वहीं, इस घटना के बाद बिजली विभाग के प्रति स्थानीय निवासियों में आक्रोश गहरा गया है। मोहल्ले के राजीव रंजन सिंह उर्फ रवि सिंह, वैभव विशाल उर्फ धीरज ठाकुर, दिलीप कुमार, सुनील ठाकुर, अनिल कुमार, गोलू सिंह, छोटू सिंह समाजसेवी आदि ने बताया कि पिछले साल से ही उनके गली में तार जर्जर हो लटक गया है तथा वायर के उपर का कवर भी हट गया है। मोहल्लेवासियों ने बताया कि लटके व जर्जर तार के मरम्मत के लिए कई बार विभागीय अधिकारियों से गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन वे शायद ऐसे ही किसी हादसे का इंतजार कर रहे थे। वहीं, इस संबंध में डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष मतेन्द्र कुमार ने बताया कि कमल नगर मोहल्ले में बिजली तार की चपेट में आ एक युवक की मौत की जानकारी मिली। जिसके बाद पुलिस टीम भेज शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

सड़क से मात्र दो फीट उपर था सपोटिंग वायर

मोहल्लेवासियों ने बताया कि मेन तार तो नीचे था ही, उसका सपोटिंग वायर जमीन से मात्र दो फीट उपर लटक रहा था। सभी केबल का कवर हट चुका है। इसी सपोटिंग वायर के संपर्क में आने से उक्त युवक की मौत हुई है। मोहल्लेवासियों ने इसे बिजली विभाग की घोर लापरवाही बताया।इस घटना के बाद बिजली विभाग की तंद्रा टूटी तथा शव हटते ही तत्काल बिजली विभाग के मिस्त्री जर्जर व लटके तारों की मरम्मत में जुट गए। टाउन जेई मनीष ठाकुर ने कहा कि सभी लटके व जर्जर तारों का मरम्मत कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी इस जगह पर तार को उपर किया गया था, लेकिन बंदरों ने इस पर लटक इसे नीचे कर दिया है।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में दिया गया था निर्देश

गौरतलब हो कि दो दिन पूर्व हुए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को मुहर्रम के मद्देनजर बक्सर व डुमरांव में जर्जर व लटके तारों की मरम्मत का निर्देश दिए थे। बावजूद बिजली विभाग के स्थानीय अधिकारी जर्जर तारों के मरम्मत के प्रति उदासीन बने रहे, जिस कारण एक युवक की जान चली गई। बता दें कि यह सिर्फ कमल नगर मोहल्ले की समस्या नहीं है, बल्कि शहर के कई अन्य हिस्सों में भी बिजली कंपनी के लटके व जर्जर तार हादसों को न्योता दे रहे है तथा विभागीय अधिकारी इससे बेफिक्र बने हुए है। जिससे ऐसे हादसों की पुनरावृति से इंकार नहीं किया जा सकता है।

वहीं, जानकारों का कहना है कि जिस एरियल बंच केबल के सहारे शहर को विद्युत आपूर्ति दी जा रही है वह एक दशक पूर्व पुराना है तथा जर्जर होने के साथ ही उसके कवर उखड़ चुके है, जिस कारण हादसों के साथ ही शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। मृतक की शिनाख्त ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव के ललन जी के डेरा निवासी ब्रह्मानंद नोनिया के पुत्र जितेंद्र नोनिया के रूप में हुई है। डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष मतेंद्र कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि युवक की पहचान के लिए सोशल साइट की सहायता ली गई थी। देर रात युवक की पहचान हो पायी। सभी प्रक्रिया पूरी कर शव को परिजनों के हवाले किया जाएगा।

नावानगर में संदिग्ध हालात में मिली नर्तकी का शव, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/नावानगर

बासुदेवा थाना क्षेत्र के चकौड़ा गांव में शनिवार सुबह एक घर से संदिग्ध परिस्थितियों में एक नर्तकी का शव बरामद किया गया। युवती का शव घर की छत से फंदे से लटकता पाया गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद से घर में मौजूद अन्य लोग फरार बताए जा रहे हैं, जिससे मृतका की पहचान अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव के पकौड़ी पांडे एक नाच पार्टी संचालित करते हैं। एक माह पहले उन्होंने चकौड़ा निवासी श्रीभगवान यादव के मकान को किराये पर लेकर अपनी नाच पार्टी

को वहीं ठहराया था। घटना को लेकर ग्रामीणों में दो तरह की चचाएं हैं। कुछ लोग इसे आत्महत्या बता रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन वह अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच परिणाम का इंतजार कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामला गंभीर है, जांच जारी है। सभी बिंदुओं पर गहराई से छानबीन की जा रही है। फरार लोगों की तलाश की जा रही है।

लंबे इंतजार के बाद शुरू हुआ केसठ-सोनवर्षा मार्ग का मरम्मत कार्य, मिलेगी सहूलियत

केटी न्यूज/केसठ

लंबे समय से जर्जर अवस्था में पड़ी केसठ से सोनवर्षा फोरलेन को जोड़ने वाली सड़क आखिरकार मरम्मत की राह पर चल पड़ी है। वर्षों से गड्ढों में तब्दील इस लगभग पांच किलोमीटर लंबे मार्ग पर अब निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। सड़क पर मरम्मत कार्य शुरू होते ही क्षेत्र के लोगों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। लोगों ने राहत की सांस लेते हुए कहा कि अब इस सड़क पर वाहन फिर से सरपट दौड़ सकेंगे।

गौरतलब हो कि इस मार्ग की स्थिति बीते कुछ वर्षों से अत्यंत खराब थी। जगह-जगह गहरे गड्ढों और उखड़े हुए रोड के कारण दुर्घटनाएं आम हो गई थीं। राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कई घटनाओं में लोग घायल भी हुए। बीते सप्ताह एक टेम्पो पलटने की घटना के बाद लोगों में आक्रोश था। स्थानीय लोगों ने बार-बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन स्थिति जस की तस बनी रही। राजद नेता सुनील यादव उर्फ पप्पू यादव

ने भी सड़क की मरम्मत की माग को लेकर समय-समय पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने इसे क्षेत्र के हजारों लोगों से जुड़ा जीवन रेखा बताया था। अब जब मरम्मत कार्य शुरू हो गया है, तो लोगों में उम्मीद है कि बरसात से पहले ही सड़क का कार्य पूर्ण हो जाएगा और क्षेत्र की आवाजाही फिर से सामान्य हो सकेगी। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से सड़क की गुणवत्ता पर ध्यान देने की भी मांग की है, ताकि भविष्य में फिर से यह समस्या न हो।

शहर में जहां-तहां कूड़ा डंप किये जाने पर मामला गरमाया, आम जनता को हो रही परेशानी

नप ने सफाई एनजीओ पर कशा शिकंजा, स्पष्टीकरण

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद क्षेत्र में सफाई कार्य देख रही एजेंसी पर शहर के चारो तरफ कूड़ा डंप किये जाने पर स्पष्टीकरण पूछा है। स्पष्टीकरण का समय पर जवाब नहीं देने पर कार्रवाई किया जा सकता है। पहली बार एनजीओ पर नप ने ऐसी कार्रवाई की है। मालूम हो कि नगर की सफाई के लिये एनजीओ बहाल किया गया है। एनजीओ द्वारा सारे नियम-कानून को ताक पर रख कार्य किये जा रहे हैं। आए दिन इसकी शिकायत मिल रही थी, जिससे नप ईओ मनीष कुमार ने

स्वच्छता पदाधिकारी राजीव रंजन को आदेश दिया की सफाई एजेंसी से स्पष्टीकरण पूछा जाए की गाइडलाइन का उल्लंघन करने की स्थिति में क्यों नहीं कार्रवाई की जाए। एजेंसी को स्पष्टीकरण मिलते ही, उसके होश उड़ गए हैं।

मालूम हो कि शहर की सफाई व्यवस्था के लिये बहाल एनजीओ के द्वारा शहर से कचड़े का उठाव कर नगर में रोड किनारे, रोड कटिंग मे, धार्मिक स्थल पर जाने वाले रोड पर, नदी के किनारे कूड़े को डंप किया जाता है। डंप कूड़े से आने-जाने वाले लोगों को उससे निकलने वाले दुर्गंध से परेशानी बढ़ गई है। लोगों में सबसे ज्यादा नाराजगी इस बात को लेकर है कि जहां लोग अस्था के साथ पूजा पाठ करने नगर के विभिन्न मंदिरों में जाते हैं, उस रोड के किनारे कूड़े को डंफ कर दिया गया है। अभी फिलहाल की घटना है कि काली मंदिर जाने वाले रोड के किनारे, रामसूरत राय तलाब के पास, काव नदी के किनारे नप के सफाई एनजीओ द्वारा काफी मात्रा में कूड़े को डंफ कर दिया गया है, जिसकी शिकायत नप के ईओ से की गई थी। मंदिर में पूजा करने वाले लोगों और समिति के द्वारा यह बताया गया मां काली मंदिर की हर वर्ष पूजा होती आ रही है।

इस वर्ष भी कुछ ही दिनों में होने वाली है। वार्षिक पूजा में भव्य मेले का आयोजन होता है, जहां विभिन्न समानों के बेचने के लिये दुकान लगाए जाते हैं। मेले में समाने की खरीदारी करने और मेले घुमने के साथ मां काली की पूजा करने के लिये हजारों लोगों की भीड़ जुटती है। ऐसे में कूड़े को डंप किये जाने से लोगों में काफी आक्रोश है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ भाकपा-माले ने निकाला विरोध मार्च

♦ डुमरांव नया थाना के मुख्य गेट पर माले कार्यकताओं ने जमकर किया विरोध प्रदर्शन

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार में मतदाता सूची के शिवशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। भाकपा-माले ने इसे वोटबंदी का नाम देते हुए डुमरांव शहर में विरोध मार्च निकाला। विरोध मार्च माले कार्यालय से निकलकर एनएच-120, गोला रोड़, शहीद गेट, पुराना थाना रोड़ होते हुए नया थाना पहुँचा, जहाँ इसे सभा मे तब्दील हो गया। थाना गेट पर पहुंचते ही कार्यकताओं ने जमकर सरकार विरोधी नारे लगाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऐपवा की जिला सह सचिव पूजा यादव ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बिहार में चुनाव आयोग का एसआईआर यानि ष्स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन आदेश लोकतंत्र नहीं, वोटरों को मिटाने की स्कीम है। गरीबों, दलितों, मुसलमानों और पिछड़ों को वोटर लिस्ट से हटाने की हर एक कोशिश के खिलाफ हमारी लड़ाई हर मोर्चे पर जारी रहेगी। जमीन पर संघर्ष और विरोध प्रदर्शन हमेशा होते रहेगा। माले नेताओं का कहना था कि विशेष पुनरीक्षण पर जितनी सफाई चुनाव आयोग दे रहा है, मामला उतना ही ज्यादा उलझाऊ

और संदेहास्पद होता जा रहा है। शिवशेष गहन पुनरीक्षण यह कोई हर साल होने वाली सामान्य प्रक्रिया नहीं है। आजादी के बाद से आज तक कभी किसी मतदाता से उसकी नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं मांगे गए। अब हर मतदाता पर शक करके ऐसे कागज मांगे जा रहे हैं, जो आज भी करोड़ों भारतीयों के पास नहीं हैं।

लोगों को दशकों पुराने रिकॉर्ड खोजने पर मजबूर करने के बजाय, राज्य को जन्म-मृत्यु का सार्वभौमिक पंजीकरण सुनिश्चित करना चाहिए ताकि रिकॉर्ड अपने आप अपडेट हो। चुनाव आयोग यह क्यों नहीं बताता कि शिवशेष गहन पुनरीक्षणश जैसी बड़ी प्रक्रिया शुरू करने से पहले किसी राजनीतिक दल से कोई सलाह-मशविरा क्यों नहीं किया गया? इसे इतनी चुपके से और अचानक क्यों लागू किया गया? जब नोटबंदी अचानक लागू हुई थी तो सरकार ने कहा था कि काले धन वालों को चौंकाना है। क्या चुनाव आयोग भी बिहार के मतदाताओं को इसी तरह फंसाना चाहती है? चुनाव आयोग 4.96 करोड़ मतदाताओं की बात करके झूठी तसल्ली दे रह है कि उन्हें दस्तावेज नहीं देने होंगे। लेकिन लगभग 3 करोड़ मतदाता, खासकर गरीब, दलित, पिछड़े और मजदूर, जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं, उनका क्या होगा? कितनों को इस बहाने मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा।

चुनाव आयोग को यह मनमाना, अवैज्ञानिक और अपारदर्शी आदेश तुरंत वापस लेना चाहिए। चुनाव आयोग का काम मतदाताओं को सुविधा देना है, न कि नई-नई अड़चनें खड़ी करके करोड़ों लोगों को लोकतंत्र से बाहर करना। मार्च में डुमराँव प्रखण्ड सचिव कन्हैया पासवान, ऐपवा नेत्री पूजा यादव, ललन राम, जाबिर कुरैसीउषा देवी, बुधिया देवी, श्रीभगवान पासवान, काजल देवी, चांदनी देवी, शिला देवी, बिहारी महतो, श्यामनारायण राम, चुन्नू यादव सहित अन्य लोग शामिल रहें।

एक नजर

बीएलओ सुपरवाइजरों को दिए गए सख्त निर्देश, आमजन को जागरूक करने पर जोर

नावानगर। प्रखंड कार्यालय के सभागार में शनिवार को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के तहत बीएलओ सुपरवाइजरों के साथ एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी डुमरांव-सह-अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव के राकेश कुमार ने की। बैठक में अभियान के अंतर्गत बीएलओ व प्रतिनियुक्त वॉलंटियरों द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र के वितरण एवं मतदाताओं से प्राप्त फॉर्म की बीएलओ ऐप के माध्यम से प्रविष्टि की प्रगति की समीक्षा की गई। एसडीओ राकेश कुमार ने सभी सुपरवाइजरों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें और स्वयं भी क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर आम लोगों को मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के प्रति जागरूक करें। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए अहम है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सीओ रानी कुमारी सहित सभी बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

पत्नी की हत्या कर आसाम से फरार हुआ कोरानसराय निवासी रेलकर्मी

डुमरांव। कोरानसराय निवासी व आसाम के रंगाई डिवीजन में पोस्टेट एक रेलकर्मी घरेलु विवाद में अपनी पत्नी की हत्या कर फरार हो गया है। घटना दो दिन पूर्व की है। शनिवार को उसे खोजते मृतका के मायके वाले शव के साथ कोरानसराय आए थे, लेकिन यहां भी वह नहीं मिला। सिर्फ उसकी विधवा मां ही घर पर अकेली थी। कोरानसराय पहुंचे मायके वालों ने मां के साथ जमकर बवाल भी मचाया। इस दौरान स्थानीय लोगों के समझाने बुझाने के बाद वे शांत हुए तथा शव का अंतिम संस्कार करने के लिए लेकर अपने गांव चले गए। मिली जानकारी के अनुसार कोरानसराय निवासी स्व. शक्ति नारायण सिंह उर्फ शक्तिमुनी महतो का इकलौता पुत्र राहुल कुमार सिंह आसाम के रंगाई रेल डिवीजन में बतौर सहायक सटेशन प्रबंधक कार्यरत है। एक दशक पूर्व उसकी शादी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिला के भदौरा गांव निवासी अंजली कुमारी के साथ हुआ था। दांपत्य जीवन में दोनों को एक पांच वर्ष का पुत्र और तीन वर्ष की एक पुत्री भी है। ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि लंबे समय से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। इसी विवाद में दो दिन पूर्व उसने आसाम स्थित अपने सरकारी क्वाटर में ही पत्नी अंजली का धारदार हथियार से गला काट दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम दे वह अपने बच्चों को विलखता छोड़ फरार हो गया। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इधर पड़ोसियों ने दो दिन तक बच्चों को आश्रय दिया। इसके बाद वहां मायके वाले पहुंचे तथा शव व बच्चों को लेकर वापस कोरानसराय पहुंचे। उन्हें आशंका थी कि घटना को अंजाम देने के बाद उक्त रेलकर्मी अपने पैतृक गांव आया होगा, लेकिन यहां भी वह नहीं मिला। जिसके बाद वे लोग अंजली का शव लेकर भदौरा चले गए। कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शव लेकर आने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम भेजा गया था, लेकिन इसके पहले ही वे लोग वहां से चले गए थे। वहीं, घटना को ले गांव में कई तरह की चचाएं हो रही है।

खबरें फटाफट

अनियंत्रित ट्रैक्टर पलटी, दो लोग जख्मी

काराकाट। थाना क्षेत्र के धनहरा से नटवार मिल पर गेहूं आनाज लाद कर ले जा रहे थे। तभी बीच में बागनहा मोड एक ट्रैक्टर टर्निंग लेने में अनियंत्रित होकर पलट गई। उसी रास्ते से आ रहे प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह और श्रम पदाधिकारी देवाशीष कुमार ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने घटना में घायल दो लोगों को टेंपो कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडारी पंहुचाया। मिली जानकारी के अनुसार, चालक और अर्धचालक को लेकर कुल 13 लोग ट्रैक्टर पर सवार थे। इनमें से दिनारा थाना क्षेत्र के दो लोग, दोनो भानस निवासी हीरालाल साह के 25 वर्षीय पुत्र राजन कुमार और वही का निवासी राम आशीष साह का 40 वर्षीय पुत्र रमेश साह दोनों बुरी तरह जख्मी हो गए हैं।

पुलिस पर हमला मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार

काराकाट। पुलिस पर हमला मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर काराकाट पुलिस ने जांच के उपरांत जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि भोजपुर जिला अंतर्गत इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा निवासी स्वर्गीय जगन्नाथ सिंह के पुत्र रंजीत कुमार उर्फ आदित्य कुमार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया । थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना आलोक में पुलिस पर हमला करने का मामला दर्ज था।

नटवार थाना क्षेत्र अंतर्गत बलियां गांव में हुई घटना, जांच में जुटी पुलिस

रोहतास में जहर देकर पत्नी की हत्या, कट्टा कारतूस के साथ आरोपी पति गिरफ्तार

♦ शराबी पति ने मामूली घरेलू विवाद में दिया घटना को अंजाम

♦ मृतिका की मंझली पुत्री के बयान पर हत्या, मारपीट,घरेलू हिंसा और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिले के नटवार थाना क्षेत्र अंतर्गत बलियां गांव में शुक्रवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक शराबी पति ने मामूली घरेलू विवाद में अपनी पत्नी की जान ले ली । आरोप है कि पहले तो उसने पत्नी की बेरहमी से पिटाई की और फिर जहर देकर उसकी जिंदगी छीन ली । मृतिका की मंझली बेटी ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसके पिता विनोद राय (उम्र 50 वर्ष) अक्सर शराब के नशे में धुत होकर घर लौटते थे और मां समेत पूरे परिवार को प्रताड़ित करते थे । कहा कि महज खाने में तेल अधिक होने की बात पर गाली-गलौज शुरू कर दी और बात मारपीट तक पहुंच गई । फिर गुस्से में आकर उन्होंने मां किरण देवी (उम्र 45 वर्ष) को जहर दे दिया,जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई ।बेटी की आंखों के सामने मां ने तोड़ा दम-

बेटी ने बताया कि मां लगातार तड़पती रहीं पर आरोपी ने उन्हें अस्पताल नहीं ले जाने दिया । घर में चीख-पुकार मच गई,लेकिन आरोपी ने किसी की एक न सुनी ।

देशी कट्टा और कारतूस ने खोले खौफनाक राज : घटना की सूचना मिलते ही नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे । छानबीन के दौरान आरोपी के घर से एक अवैध देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया । यह खुलासा मामले को और भयावह बना देता है, जिससे साफ है कि आरोपी न सिर्फ हिंसक था बल्कि हथियारबंद भी था ।

गांव में पसरा मातम, रिश्तों पर उठे सवाल: किरण देवी अपने पीछे तीन बेटियां और एक बेटा छोड़ गई हैं । घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है, पड़ोसी भी सहमे हुए हैं। एक व्यक्ति जो रोज शराब पीता था,कब इतना निर्दयी हो गया,इसका किसी को अंदाजा तक नहीं था। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतिका की मंझली पुत्री के बयान पर हत्या, मारपीट,घरेलू हिंसा और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है । आरोपी विनोद राय को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंपा गया है । पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि दोषी को कठोरतम सजा दिलाई जाएगी । एक मां की तड़पती मौत,बेटियों की चीखें और रिश्तों का खून बलियां गांव की यह वारदात समाज के सामने एक ऐसा आईना रखती है,जिसमें झांकना भी डरावना है। वहीं दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि मामले की पूरी जांच की जा रही है।

बहू ने सास के सीने पर लात मारकर की हत्या

आरा। माता-पिता को खर्च देने को लेकर भाइयों के बीच हुआ विवाद, झगड़ा बढ़ा तो महिला ने किया हमलाभोजपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव में शनिवार को बहू ने मारपीट कर अपने सास की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। जानकारी के अनुसार मृतका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव वार्ड नंबर 8 निवासी राधा किशुन राय की 62 वर्षीया पत्नी देवंती देवी है।मृतका के बेटे शंभू यादव ने बताया कि हम चार भाई हैं। तीन भाई माता-पिता को खर्च के लिए पैसे देते हैं, जबकि बड़े भाई दशरथ यादव ने माता-पिता को खर्च के लिए रुपए नहीं दिए थे। जब हम लोगों ने इसका विरोध किया तो बड़े भाई ने हम लोगों के साथ और मां के साथ झगड़ा किया। झगड़े के दौरान जब हमारी बहन क्रांति देवी बीच-बचाव करने आई तो उसके साथ भी बड़े वाले भाई ने मारपीट की। इसी बीच दशरथ यादव की पत्नी यानी मेरी भाभी गीता देवी वहां आई और मेरी मां देवंती देवी के सीने पर पैर से हमला कर दिया।बहू की ओर से लात मारे जाने के बाद बुजुर्ग महिला जमीन पर गिर पड़ी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं, दूसरी तरफ मृतका के बेटे शंभू यादव ने अपने बड़े भाई दशरथ यादव पर अपने साथ झगड़ा करने एवं उसकी पत्नी गीता देवी की ओर से अपनी मां के सीने पर पैर से मारकर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। बहरहाल, पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि मृतक को चार बेटे दशरथ यादव, गार्ड यादव, शंभू यादव, मेघनाथ यादव और दो बेटी लालती देवी एवं क्रांति देवी है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है।

सड़क दुर्घटना में अधेड़ जख्मी, टूटा पैर, इलाज जारी

डुमरांव। डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर टेढ़की पुल के समीप दो बाइक की टक्कर में एक बाइक पर सवार एक अधेड़ व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जिसे मौके पर मौजूद युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजय राय तथा अन्य युवाओं द्वारा इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। इस दुर्घटना में उसका एक पैर टूट गया है। वहीं, घटना को अंजाम देने के बाद दूसरे बाइक सवार फरार हो गए है। जख्मी की पहचान डुमरांव दक्षिण टोला निवासी 50 वर्षीय मुन्ना सिंह के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार वे अपने खेत घुमने बाइक से निकले थे। दोपहर करीब एक बजे खेत घुमकर वापस अपने घर लौट रहे थे, जैसे ही टेढ़की पुल के समीप पहुंचे कि एक बाइक जिस पर तीन युवा सवार थे तेज रफ्तार में उनकी बाइक में टक्कर मार दिए, जिससे वे सड़क पर गिर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल से रेफर कर दिया गया है। डॉक्टरों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है।

मुहर्रम पर्व को लेकर डुमरांव में निकला फ्लैग मार्च

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में मुहर्रम पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क व मुस्तैद है। इसी को ध्यान में रखते हुए शनिवार को डुमरांव नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया। यह फ्लैग मार्च एसडीओ राकेश कुमार एवं डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान तथा स्थानीय प्रशासन के अधिकारी शामिल थे। फ्लैग मार्च डुमरांव थाना परिसर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों व भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से होते हुए पुनः थाना परिसर में समाप्त हुआ। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने आमजनों से संवाद भी किया और उन्हें शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। एसडीओ राकेश कुमार ने कहा कि मुहर्रम पर्व डुमरांव समेत पूरे अनुमंडल क्षेत्र में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाए, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। सभी संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी व पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति

से निपटने के लिए प्रशासन हर संभव कदम उठा रहा है। वहीं डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने फ्लैग मार्च के दौरान कहा कि पर्व के दौरान कोई भी अफवाह न फैलाएं और सोशल मीडिया पर सतर्कता बरतें। यदि कोई असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता है, तो उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि अमन-चौन और सामाजिक एकता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

डीएवी पब्लिक स्कूल बिक्रमगंज में मनाया वान महोत्सव उत्साहपूर्वक

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

वन महोत्सव के अवसर पर शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल आरा रोड तेंदुनी चौक बिक्रमगंज के प्रांगण में एक भावनात्मक और जागरूकता से परिपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष वृक्षारोपण की थीम रही एक पेड़ मां के नाम जिसमें पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृत्व को समर्पण का भाव भी झलकता नजर आया। कार्यक्रम की अगुवाई विद्यालय की प्राचार्या कुमारी प्रिया ने की।

जिन्होंने विद्यालय परिवार और सैकड़ों बच्चों के साथ मिलकर फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया । पौधों की हरियाली के बीच बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और उत्साह देखते ही बन रहा था ।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं में आरव, नित्या, प्राशि, सलोनी, इसिका, प्रगति, सौम्या,आयुष,अंशराज,आशी,रितेश, पीयूष समेत सैकड़ों विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया ।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि विद्यालय के वरीय अधिकारी, शिक्षकगण और बच्चों ने रोपे गए पौधों को रक्षासूत्र बांधकर उनकी देखभाल और संरक्षण का वचन लिया। इस सांकेतिक पहल ने सभी के हृदय को छू लिया और भावुक कर दिया। प्राचार्या कुमारी प्रिया ने कहा कि पेड़ केवल ऑक्सीजन देने वाले जीवित संरचना नहीं बल्कि हमारे जीवनरक्षक और हमारे भविष्य की नींव हैं। विद्यालय परिसर में लगे ये सैकड़ों पौधे आने वाले वर्षों में न केवल छांव और जीवनदायिनी हवा देंगे बल्कि बच्चों के भीतर प्रकृति से जुड़ाव का भाव भी स्थायी रूप से अंकित करेंगे।

वेतनमान एवं पेंशन के लिए बिहार राज्य संबद्ध शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ ने जताया विरोध

महाविद्यालय के कर्मियों ने काला पट्टी बांधकर जताया विरोध

♦ वेतनमान एवं पेंशन, 2018 से सभी अनुदान राशि को एकमुश्त भुगतान किया जाए

♦ चयनित शिक्षकों को वेतनमान एवं पेंशन देने का निर्णय दिया

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

वेतनमान एवं पेंशन के लिए बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ पटना के निर्देश पर इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज रोहतास के परिसर में शनिवार को शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों द्वारा काला पट्टी बांध कर वेतनमान एवं पेंशन के लिए बिहार सरकार का विरोध जताया । ज्ञातव्य है कि पिछले 30 अप्रैल को पटना उच्च न्यायालय का निर्णय जिसमें अनुदानित तथा घाटा अनुदानित डिग्री महाविद्यालय को जो शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी 2007 के पहले विधिवत नियुक्त एवं महाविद्यालय सेवा आयोग या चयन समिति द्वारा चयनित शिक्षकों को वेतनमान एवं पेंशन देने का निर्णय दिया है । उक्त मांग में वेतनमान एवं पेंशन, 2018 से सभी अनुदान राशि को एकमुश्त भुगतान । इस निर्णय को बिहार सरकार लागू कर हमें वेतनमान एवं पेंशन दें बिहार सरकार । इस विरोध प्रदर्शन में उक्त महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बिनोद कुमार सिंह,उप प्राचार्य डॉ उमेश्वर प्रसाद सिंह,डॉ रविंद्र कुमार,डॉ पुष्पा राणा रसिक,डॉ मनोज कुमार सिंह, डॉ पुष्पा कुमारी, डॉ बिपिन बिहारी सिंह, डॉ अरविन्द पाण्डेय,डॉ रेणु कुमारी,डॉ उमेश सिंह , डॉ संतोष कुमार तथा रामाकांत सिंह,सत्येन्द्र सिंह,असगर आलम समेत अन्य कर्मी उपस्थित रहे । डॉ रविंद्र ने बताया कि अगर बिहार सरकार हमारी मांगों को नहीं मानी तो हम 22 जुलाई से महाधरना तथा विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम पटना में करेंगे । इसमें सभी मिलकर विरोध करेंगे। सभी शिक्षक एकजुट है। प्राचार्य डॉ बिनोद कुमार सिंह ने बताया कि बिहार विधान परिषद के शिक्षा समिति भी वेतनमान देने का निर्णय का अनुशंसा कर दिया है। मौके पर प्रो डॉ रविंद्र सिंह,डॉ चितरंजन राय,प्रो तेज नारायण सिंह,प्रो बद्रीनारायण सिंह,डॉ उपेन्द्र प्रसाद सिंह,प्रो राकेश कुमार सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे ।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
92%
TOPPERS- STD. X
1st 2nd 2nd 2nd 3rd 3rd
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

13वीं बार निर्विरोध राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने लालू प्रसाद यादव

♦ शनिवार को राष्ट्रीय परिषद ने फैसले पर लगा दी अंतिम मुहर

केटी न्यूज/पटना

लालू प्रसाद यादव लगातार 13वें कार्यकाल के लिए निर्विरोध राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हो गए है। कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं होने के कारण 24 जून को नामांकन वापसी के दिन ही उनका निर्वाचन हो गया था।

शनिवार को राष्ट्रीय परिषद ने उस पर अंतिम मुहर लगा दी। संयोग से वह पार्टी का स्थापना दिवस भी रहा। वर्ष 1997 में 05 जुलाई को ही राजद की स्थापना हुई थी। निर्वाचन के बाद पार्टी नेताओं से लालू ने कहा कि आपने हम पर विश्वास किया, उस पर खरा उतरेंगे। आप निश्चिंत रहिए। आप सबों में ही किसी को टिकट मिलेगा। संगठन के स्तर पर अभी सर्वेक्षण हो रहा है। इसलिए क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाइए, क्योंकि काम के आधार पर ही टिकट का वितरण होगा।

तेजस्वी यादव ने भी एक बार फिर दोहराया कि गणेश-परिक्रमा से नहीं, बल्कि क्षेत्र-परिक्रमा करने वालों को ही विधानसभा चुनाव में टिकट मिलेगा। बापू सभागार में हुई राष्ट्रीय परिषद की बैठक सह खुला अधिवेशन में राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी रामचंद्र पूर्वे और राष्ट्रीय सह निर्वाचन पदाधिकारी चित्तरंजन गगन ने लालू को निर्वाचन का प्रमाण-पत्र सौंपा। इस मौके पर पार्टी के सभी नेताओं ने एकजुट होकर चुनावी मैदान में जाने और गठबंधन की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

विपरीत परिस्थिति में भी विचारधारा से समझौता नहीं किया : लालू ने कहा कि हमने सदैव पार्टी को प्राथमिकता दी है। विपरीत परिस्थिति में भी विचारधारा से समझौता नहीं किया। मंडल आयोग की अनुशंसाओं को लागू करवाया। लोहिया की नीति पर अमल किया। तीन-चार महीने में बिहार में विधानसभा का चुनाव होना है। लालू यादव ने कहा कि इस बार नहीं चूकना है। एकजुट होकर रहिए। मिल-जुलकर सरकार बनाएंगे। लालू यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस संविधान और लोकतंत्र की हत्या करने पर तुले हुए हैं। उन्होंने तेजस्वी की जी-भरकर प्रशंसा की और पार्टी-जनों से आह्वान किया कि तन-मन से उनका साथ दीजिए। वहीं, लालू ने अपने खराब स्वास्थ्य का जिक्र करते हुए कहा कि अब मैं ज्यादा सक्रिय नहीं रह पाता, लेकिन पार्टी के लिए जो बन सकेगा, करूंगा। मेरे लिए कार्यकताओं की सेवा सबसे ऊपर है।

सीएम की ओर से भागलपुर व मुंगेर के लिए एक बड़ी सौगात, बोले मंत्री...

फोरलेन मरीन ड्राइव के लिए गंगा किनारे 100 किमी मार्ग प्रस्तावित

♦ पथ निर्माण मंत्री ने की शनिवार को सुल्तानगंज में श्रावणी मेला की तैयारियों की समीक्षा के दौरान घोषणा

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने शनिवार को सुलतानगंज में श्रावणी मेला की तैयारियों की समीक्षा के दौरान घोषणा की कि बहुत जल्द भागलपुर से लेकर मुंगेर तक गंगा किनारे एक शानदार फोरलेन मरीन ड्राइव का निर्माण होगा। यह योजना राज्य सरकार की एक बड़ी पहल है और इसकी मंजूरी श्रावणी मेला के उद्घाटन से पूर्व मिलने की संभावना है। सीएम नीतीश की ओर से यह भागलपुर और मुंगेर के लिए एक बड़ी सौगात है। मंत्री ने बताया कि भागलपुर से मुंगेर के गंगा किनारे की लगभग 100 किमी दूरी में यह फोरलेन मरीन ड्राइव प्रस्तावित है, जो स्थानीय लोगों के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए भी एक बड़ा तोहफा साबित होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में योजना पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पटना की मरीन ड्राइव बिहार में चर्चा का विषय बनी है, उसी तरह यह परियोजना भी भागलपुर और मुंगेर के लिए विकास का नया अध्याय खोलेगी।

अगुवानी-सुलतानगंज गंगा पुल का कार्य भी प्रगति पर: मंत्री ने बताया कि सरकार बाबा की नगरी अजगैबीनाथधाम, सुलतानगंज को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर सजाने-संवारने में जुटी है। घाटों को पक्का किया जा रहा है और गंगा रिवर फ्रंट का निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है।

इसके अलावा अगुवानी-सुलतानगंज गंगा पुल का कार्य भी प्रगति पर है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। नितिन नवीन ने यह भी संकेत दिया कि सुलतानगंज में एयरपोर्ट की परिकल्पना को भी जल्द ही मूर्त रूप दिया जाएगा। कांवरियों व आम लोगो के साथ व्यवसायी को सुविधा मिलेगा। सुलतानगंज में बन रहे गंगा रीवर फ्रंट की तरह पक्की घाट का काम तेजी से हो रहा है। आने वाले समय में अगुवानी-सुलतानगंज गंगा ब्रिज भी शुरू होगा। पुल निर्माण का काम तेजी से हो रहा है। पथ निर्माण विभाग इस दिशा में भी बड़ी योजनाओं पर कार्य कर रहा है।

बेली ब्रिज से मिटेगी किऊल व लखीसराय की दूरी

पटना। बिहार के लखीसराय जिले में किऊल नदी पर बन रहा बेली ब्रिज का निर्माण अंतिम चरण पर है। इस पुल से किऊल और लखीसराय के बिच की दूरी और आने जाने की परेशानी दोनों ही दूर हो जाएगी। खासकर जब बारिश के मौसम में जब अस्थायी पुल पूरी तरह से बंद हो जाता है तब ये पुल लोगों की परेशानी को दूर करेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में प्रगति यात्रा के दौरान इस परियोजना का ऐलान किया था। इसके बाद राज्य सरकार ने रेलवे के साथ मिलकर इस प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया है। इस बेली ब्रिज का निर्माण पुराने रेलवे पुल की नींव पर किया जाएगा। इससे न सिर्फ खर्चे में कमी आएगी बल्कि समय की भी बचत होगी। प्रस्ताव के मुताबिक, पुल के दोनों किनारों पर फुटपाथ भी बनेगा ताकि पैदल चलने वाले लोगों भी सुविधा मिल सके।

जुलूस में करंट की चपेट में आए 50 लोग

पटना। दरभंगा जिले में हाई टेंशन बिजली की तार के चपेट में आने से 50 लोग झुलस गये। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। चारों तरफ चीख पुकार मच गयी। लोग इधर से उधर भागने लगे। घटना तारडीह प्रखंड के ककोढ़ा की है। जब मुहर्रम का जुलूस सड़क के किनारे से गुजर रहा था तभी अचानक कई लोग 11 हजार हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गये। ताजिया के जुलूस में तीन गांव के लोग जुटे थे। धोल-ताशा और बैंड बाजे के साथ लोग आगे की ओर बढ़ रहे थे। लोगों की भारी भीड़ इस जुलूस में इकट्ठा हुई थी कि तभी अचानक यह हादसा हो गया है।

19 जिलों के 51 यूपीएचसी में खुलेगा पॉली क्लीनिक

पटना। राज्य के 19 जिलों के 51 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (यूपीएचसी) में पॉली क्लीनिक खोलने की तैयारी है। नेशनल शहरी हेल्थ मिशन (एनयूएचएम) के तहत पाली क्लीनिक का संचालन किया जाएगा। राज्य स्वास्थ्य समिति की ओर से इसके लिए एजेंसी का चयन किया जा चुका है।

विभागीय जानकारी के अनुसार, राज्य स्वास्थ्य समिति ने इस बाबत संबंधित जिलों के सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव जिला स्वास्थ्य समिति को निर्देश भेजा है। जिलों को निर्देश दिया गया है कि इस कार्य के लिए जिला स्वास्थ्य समिति को संबंधित एजेंसी के साथ अलग से कोई एकरारनामा नहीं किया जाना है। जिन जिलों में पॉली क्लीनिकों का संचालन गया, नालंदा, पटना, रोहतास, दरभंगा, बांका, भागलपुर, मुंगेर, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, गोपालगंज, सीवान, सारण व सहरसा जिले में किया जाएगा।

लखीसराय में दो गुटों के बीच झड़प, पुलिस व प्रशासन की ओर से निरोधात्मक कार्रवाई जारी

केटी न्यूज/पटना

राज्य के लखीसराय जिले के तेतरहट थाना क्षेत्र में दो गुटों के बीच उत्पन्न तनाव को देखते हुए पुलिस-प्रशासन की ओर से इलाके में अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई। वहीं मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिले के डीएम, एसपी, एसडीएम और एसडीपीओ समेत अन्य वरीय पदाधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि तेतरहट थाना क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल पर लगे ध्वज को तीन युवकों ने तोड़ दिया। मौके पर अपने पशुओं को चरा रही एक महिला ने बाद में इसकी सूचना गांव वालों को दी।

इसके बाद ग्रामीणों की ओर से पुलिस को पूरी जानकारी दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की ओर से तीनों युवकों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लेकर थाना ले आया गया।

तेतरहट थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने घटना की सूचना तुरंत वरीय पुलिस पदाधिकारियों को दी गई। जिसके बाद एसडीएम प्रभाकर कुमार और एसडीपीओ शिव कुमार भी मौके पर पहुंचे। एसपी ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से सूचना दी गई कि पुराने झंडे को तोड़ कर तीन युवकों ने उसका उपयोग अपने मवेशियों के लिए पत्तियां तोड़ने के लिए किया। उन युवकों के दूसरे गुट का रहने के कारण गांव के कुछ लोगों ने नाराजगी जताई। लेकिन पुलिस-प्रशासन की ओर से तुरंत स्थानीय लोगों को समझा कर और शांति समिति की बैठक कर मामले को शांत करा दिया गया। वहीं, डीएम ने बताया कि दो समुदाय के बाद किसी तरह के विवाद की कोई बात नहीं है। उन्होंने बताया कि तीन बच्चों की ओर से पत्तियों को तोड़ने की कोशिश में इस घटना को अंजाम दिया गया। इनमें से दो बच्चे नाबालिग और एक वयस्क है।

बिहार के सभी जिलों में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान तेज

अब तक 1.04 करोड़ प्रपत्र जमा, राज्य में 94 प्रतिशत फॉर्म का किया गया वितरण

केटी न्यूज/पटना

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान जोर-शोर से जारी है। अभी तक 1.04 करोड़ (13.19%) गणना प्रपत्र जमा हो चुका है। करीब 94 प्रतिशत प्रपत्र फार्म का वितरण भी किया जा चुका है। लोग बढ़चढ़ कर चुनाव आयोग के इस अभियान में शामिल हो रहे हैं। अपना और अपने परिवार का डिटेल फार्म में भरकर बीएलओ को जमा कर रहे हैं। यह फॉर्म भरना बेहद आसान भी है।

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है। बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ), बीएलओ पर्यवेक्षक, निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारी, राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए और स्वयंसेवक मिलकर जमीनी स्तर पर यह सुनिश्चित करने में जुटे हैं कि कोई भी पात्र मतदाता वोटर लिस्ट से वंचित न रह जाए। शनिवार की शाम तक, कुल 1,04,16,545 गणना प्रपत्र प्राप्त हो चुके हैं, जो कि बिहार में 24 जून 2025 की स्थिति में दर्ज कुल 7,89,69,844 (लगभग 7.90 करोड़) मतदाताओं का 13.19 प्रतिशत है। प्रपत्र वितरण का आंकड़ा भी बढ़कर 93.57 प्रतिशत हो गया है, जिसमें अब तक 7,38,89,333 प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं।

बीएलओ मतदाताओं की सहायता कर रहे हैं: 77,895 बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं की सहायता कर रहे हैं, जिससे वे आसानी से अपने गणना प्रपत्र भर सकें और जमा कर सकें। कई मामलों में बीएलओ मतदाताओं की लाइव तस्वीरें भी ले रहे हैं और उन्हें अपलोड कर रहे हैं, जिससे मतदाता को अलग से फोटो खिंचवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आंशिक रूप से भरे हुए प्रपत्र ईसीआई के पोर्टल और ईसीआईएनईटी ऐप पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं। मतदाता ईसीआईएनईटी ऐप के माध्यम से स्वयं भी भरे हुए प्रपत्र अपलोड कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, प्रक्रिया के सुचारु एवं समयबद्ध संचालन के लिए 20,603 बीएलओ और नियुक्त किए जा रहे हैं। 4 लाख स्वयंसेवक, जिनमें सरकारी अधिकारी, एनसीसी कैडेट, एनएसएस सदस्य आदि शामिल हैं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, बीमार एवं संवेदनशील वर्गों की सहायता हेतु सभी जिलों में कार्यरत हैं। इसके अलावा, राज्य के 243 ईआरओ, 963 एईआरओ, 38 जिला निर्वाचन पदाधिकारी और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी स्वयं भी जमीनी स्तर पर मतदाताओं को फॉर्म जमा कराने में सहायता कर रहे हैं। राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1,54,977 बीएलए भी इस प्रक्रिया में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुहर्रम पर रांची में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, 1000 जवान होंगे तैनात, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी

रांची, एजेंसी। झारखंड में छह जुलाई को मुहर्रम पर्व मनाया जायेगा। इसे लेकर राजधानी रांची में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। जिला प्रशासन ने मुहर्रम पर सुरक्षा व्यवस्था में 1000 जवानों की तैनाती की है। रैपिड एक्शन फोर्स, रैपिड एक्शन पुलिस, इको टीम, टियर गैस पार्टी, रंगीन पानी का टैंकर, ब्रज वाहन और फायर ब्रिगेड को तैनात किया गया है। निगरानी के लिए ड्रोन और वीडियो कैमरे का भी इस्तेमाल होगा। उपद्रवियों पर कार्रवाई की जायेगी और सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जायेगी। इधर, मुहर्रम को लेकर शहर की यातायात व्यवस्था में भी आंशिक बदलाव किये गये हैं। विभिन्न अखाड़ों से निकलने वाले जुलूस के दौरान निजी व यात्री वाहनों का परिचालन सुबह 10ः00 बजे से जुलूस के खत्म होने तक प्रभावित रहेगा।

बीएयू के कुलपति को मिला झारखंड ओपेन यूनिवर्सिटी के वीसी का प्रभार

रांची, एजेंसी। राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड राज्य ओपेन यूनिवर्सिटी के कुलपति का प्रभार बिरसा कृषि विवि के कुलपति डॉ एससी दुबे को दिया है। डॉ दुबे अगले आदेश तक रूटीन कार्यों का निबटारा करेंगे। किसी पॉलिसी मेटर पर निर्णय लेने के लिए वे कुलाधिपति से अनुमति लेंगे। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन मदन कुलकर्णी ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। मालूम हो कि झारखंड राज्य ओपेन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ त्रिवेणी नाथ साहू के तीन वर्ष का कार्यकाल चार जुलाई को समाप्त हो गया। विवि में कुलपति की नियुक्ति के लिए राजभवन द्वारा विज्ञापन भी निकाला गया। इसके लिए कई उम्मीदवारों ने आवेदन भी दिये। नियुक्ति सर्च कमेटी के माध्यम से होगी। सर्च कमेटी के अध्यक्ष एनटीए के अध्यक्ष हैं। डॉ एससी दुबे पांच जुलाई को प्रभार लेंगे। वर्तमान में रांची विवि के कुलपति का प्रभार नीलांबर–पीतांबर विवि के कुलपति प्रो डीके सिंह, महिला विवि जमशेदपुर के वीसी का प्रभार कोल्हान विवि की कुलपति प्रो अंजिला गुप्ता तथा डीएसपीएमयू के कुलपति का प्रभार दक्षिणी छोटानागपुर के आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र को दिया गया है।

बीएड प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी, अजित कुमार पंडित ने किया टॉप

रांची, एजेंसी। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद ने बीएड, एमएड और बीपीएड पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2024 का रिजल्ट शुक्रवार को जारी कर दिया। परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थी अब अपना परिणाम आधिकारिक वेबसाइट से देख सकते हैं। बीएड परीक्षा में अजित कुमार पंडित ने टॉप किया है। अंकिता अग्रवाल को दूसरा और रणधीर कुमार मेहता को तीसरा स्थान मिला है। बीपीएड परीक्षा में अनिमेष रोनाल्ड कुजूर पहले स्थान पर रहे, जबकि श्वेता कुमारी को दूसरा और विपिन बिहारी महतो को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। एमएड परीक्षा में कोमल कुमारी सोनी ने पहला, सुचित्रा दास ने दूसरा और ओम कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया।यह परीक्षा 11 मई 2024 को आयोजित की गई थी। परिणाम अंतिम उत्तर कुंजी के आधार पर जारी किया गया है, जिसमें उत्तर कुंजी पर आई आपत्तियों की जांच के बाद सुधार किया गया। परीक्षाफल 6 जुलाई से वेबसाइट पर उपलब्ध है। चयनित अभ्यर्थियों को अब ऑनलाइन माध्यम से नामांकन के लिए आवेदन करना अनिवार्य होगा। आवेदन के समय अभ्यर्थियों को अपने सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति और स्वप्रमाणित फोटोकॉपी अपलोड करनी होगी।

देवघर में बिना आईडी प्रूफ नहीं मिलेगा रूम, जिला प्रशासन ने तय किये कमरों के दाम

देवघर, एजेंसी। देवघर जिला प्रशासन ने श्रावणी मेले के दौरान शहर में आने वाले कांवरियों और श्रद्धालुओं के रहने के लिए विभिन्न होटलों में कमरे का दर तय कर दिया है। इसे लेकर होटल और धर्मशाला संचालकों के साथ डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने बैठक की। डीसी ने उन्हें कई जरूरी दिशा–निर्देश दिये। बैठक में डीसी ने कहा कि दूरदराज से आये कांवरिये/तीर्थयात्री पूजा–अर्चना के बाद देवघर शहर व ईर्द–गिर्द पर्यटन स्थल घूमने के लिए शहर में ठहराव करते हैं। इसलिए सभी होटल मालिक व संचालकों को होटल के कमरों एवं अन्य का दर तालिका को प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया है।

बोर्ड परीक्षा में नेतरहाट के पांच छात्र फेल, मंत्री गंभीर, कारणों की जांच करेगी कमेटी

रांची, एजेंसी। राज्य के सबसे प्रतिष्ठित सरकारी विद्यालय लातेहार जिले के नेतरहाट आवासीय विद्यालय का शैक्षणिक स्तर वर्ष 2010 के बाद लगातार गिर रहा है। अब स्थिति यह हो गई है कि सीबीएसई की इस वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में इस विद्यालय के पांच छात्र फेल हो गए। 10वीं की परीक्षा में एक तथा 12वीं में चार छात्रों को असफलता हाथ लगी है।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री रामदास सोरेन की अध्यक्षता में शुक्रवार को धुर्वा स्थित एमडीआइ भवन में नेतरहाट विद्यालय समिति की सामान्य निकाय की हुई बैठक में इस पर चिंता प्रकट की गई। विभागीय मंत्री ने भी इसे गंभीरता से लेते हुए इसके कारणों की जांच के लिए पूर्ववर्ती छात्रों की कमेटी गठित करने के निर्देश दिए।

यह कमेटी विद्यालय में एक सप्ताह रहकर फेल हुए छात्रों के पठन-पाठन का अवलोकन कर अपनी रिपोर्ट देगी। मंत्री ने इस प्रतिष्ठित आवासीय विद्यालय के शैक्षणिक स्तर में लगातार गिरावट होने तथा नामांकन में छात्रों की घटती रुचि पर चिंता जताई है।

उन्होंने विद्यालय की तमाम कमियों की पहचान कर उसे दूर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए ताकि विद्यालय की खोई प्रतिष्ठा वापस आ सके। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर विद्यालय की नियमावली में भी बदलाव किया जाए।

उन्होंने कई छात्रों के बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से कम अंक आने पर भी चिंता जताते हुए इसके लिए जिम्मेदार शिक्षकों से स्पष्टीकरण पूछकर कार्रवाई के निर्देश दिए। विद्यालय में आश्रम व्यवस्था को कठोरता से लागू करने के निर्देश दिए।

बैठक में विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह, नेतरहाट विद्यालय कार्यसमिति के अध्यक्ष संतोष उरांव आदि भी उपस्थित थे। इस विद्यालय की गरिमा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है इसने दर्जनों श्रेष्ठ आइएएस व आइपीएस अधिकारी दिए हैं।

शिक्षकों के 42 पद, कार्यरत हैं महज 18

बैठक में बोर्ड परीक्षाओं के खराब परिणाम के लिए शिक्षकों की कमी को भी बड़ा कारण माना गया। मंत्री को बताया गया कि विद्यालय में शिक्षकों के 42 पद हैं, जबकि वर्तमान में कार्यरत महज 18 हैं। मंत्री ने रिक्त पदों को शीघ्र भरने तथा तबतक के लिए पूर्ववर्ती छात्रों से पठन-पाठन कराने के निर्देश दिए।

इसके लिए पोर्टल के माध्यम से ऐसे पूर्ववर्ती छात्रों तथा पूर्व शिक्षकों से आवेदन मंगाए जाएंगे, जो विद्यालय में शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने के लिए अपनी सेवा देना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें सम्मान राशि के अलावा आने-जाने, भोजन आदि का खर्च दिया जाएगा। मंत्री ने विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं को भी दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

डीएमएफटी की राशि हो सकेगी खर्च

बैठक में डीएमएफटी की राशि से विद्यालय में बुनियादी सुविधाएं बहाल करने पर भी सहमति बनी। बैठक में विद्यालय की भूमि के अतिक्रमण की समस्या लातेहार जिला प्रशासन से मिलकर सुलझाने के निर्देश प्राचार्य को दिए गए।

पर्यटन के क्षेत्र में लोगों की पसंद में पांचवें स्थान पर रांची

रांची/धनबाद, एजेंसी। झारखंड में विदेशी पर्यटकों में पहले स्थान पर चतरा के पर्यटन स्थल हैं, जबकि गिरिडीह दूसरे स्थान पर हैं. देशी पर्यटकों की पहली पसंद सरायकेला-खरसांवा रहा है. वहीं रांची पांचवें स्थान पर है. राज्य पर्यटन निदेशालय द्वारा जारी वार्षिक पर्यटन सर्वेक्षण रिपोर्ट (मई 2024 - अप्रैल 2025) से हुई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड में वर्ष भर में 6.43 करोड़ से अधिक पर्यटक यहां पहुंचे, जिसमें 13,234 विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं. झारखंड अब पारंपरिक धार्मिक स्थलों से आगे बढ़कर इको-टूरिज्म, एडवेंचर और आदिवासी पर्यटन जैसे नये क्षेत्रों में भी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है. सरायकेला-खरसावां जिले ने इस बार सबसे अधिक घरेलू पर्यटकों को आकर्षित किया है. इस जिले ने 6,34,332 लाख पर्यटकों को आकर्षित किया. जबकि गिरिडीह में 6,28,752, देवघर में 5,94,392, धनबाद में 5,87,527 और रांची में 5,48,003 पर्यटक पहुंचे.

रिपोर्ट के अनुसार चतरा जिले को विदेशी पर्यटकों की सबसे पसंदीदा जगह बताया गया है. इटखोरी मंदिर, कौलेश्वर मंदिर और तमासिन जलप्रपात जैसे धार्मिक व प्राकृतिक स्थलों ने विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया. जिले में साल भर में 1,157 विदेशी पर्यटक आये, जो झारखंड के किसी भी अन्य जिले की तुलना में सबसे अधिक है. जनवरी 2025 में ही यहां 408 विदेशी पर्यटक आये.

दो दिवसीय दवा मेला 2025 का शुभारंभ, खूब हुई खरीदारी

रांची, एजेंसी। डॉक्टर्स वाइव्स एसोसिएशन की ओर से शुक्रवार को दो दिवसीय दवा मेला 2025 का शुभारंभ हुआ। मेले का उद्घाटन एडवाइजरी नेशनल टीम, आइएमए डॉ अजय सिंह, आइएमए के अध्यक्ष डॉ काजल, उपाध्यक्ष आइएमए डॉ अभिषेक रामाधीन ने संयुक्त रूप से किया। मेले में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, लखनऊ समेत राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के स्टॉल लगे हैं। जहां डिजाइनर कपड़े, डिजाइनर ज्वेलरी, होम डेकोर व नैचुरल प्लांट आदि बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। यहां डिजाइन वाली राखियों के बेहतरीन कलेक्शन भी है। कई स्टॉलों में हस्तनिर्मित सामान हैं, जिनमें बारीकी काम की गयी हैं। गैर सरकारी संगठन जैसे एकल, दीपशिखा जैसी संस्था के भी स्टॉल हैं। मेले में महिलाओं ने खूब खरीदारी की। मेले से प्राप्त आय को प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजा जायेगा।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तबीयत में सुधार, हाल-चाल जानने अस्पताल पहुंचे कई नेता

रांची, एजेंसी। झामुमो के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन की तबीयत में सुधार हो रहा है. मालूम हो कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का दिल्ली में स्थित सर गंगा राम अस्पताल में इलाज चल रहा है. यहां डॉक्टरों ने गुरुजी की हालत को लेकर संतोष जताया है. वह दिन-रात चिकित्सकों की निगरानी में हैं. इधर, राज्यसभा सांसद महुआ माजी शुक्रवार को शिबू सोरेन को देखने के लिए अस्पताल पहुंचीं.

सांसद महुआ माजी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर गुरुजी का हालचाल जाना. राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी भी दिल्ली पहुंचे हैं. स्वास्थ्य मंत्री के साथ झारखंड के पूर्व प्रभारी गुलाम अहमद मीर भी अस्पताल पहुंचे. राज्य से कई नेताओं का दिल्ली आना-जाना लगा हुआ है.

इधर, झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर और पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने भी सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की. कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव भी पिछले दिनों अस्पताल पहुंचे थे. उन्होंने गुरुजी का हालचाल लिया था. सोरेन परिवार लगातार दिल्ली में कैंप कर रहा है.

झारखंड हाइकोर्ट का बड़ा फैसला, 750 व्याख्याताओं की नियुक्ति मामले में दायर याचिकाएं खारिज

रांची, एजेंसी। झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने साल 2008 में राज्य के विश्वविद्यालयों में 750 व्याख्याताओं (लेक्चरर) की नियुक्ति मामले में दायर 19 विभिन्न याचिकाओं पर फैसला सुनाया। अदालत ने सभी याचिकाओं को खारिज करते हुए प्रार्थियों को राहत देने से इनकार कर दिया। इससे पूर्व 10 जून को अदालत ने मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को अदालत ने यह फैसला सुनाया।

बता दें कि मामले की सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अधिवक्ता डॉ श्रीकृष्ण पांडेय, अधिवक्ता डॉ सत्यप्रकाश सिन्हा, अधिवक्ता अर्पण मिश्रा, निलाद्री शेखर मुखर्जी ने पैरवी की थी। इसके बाद फैसला सुनाया गया। इस मामले में प्रार्थियों ने अपनी नियुक्ति के लिए अदालत से उचित आदेश देने का आग्रह किया था। हालांकि, अदालत के फैसले में प्रार्थियों को कोई राहत नहीं मिली है।

इस मामले में प्रार्थियों का कहना था कि वह लेक्चरर पद के योग्य हैं, लेकिन झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने उनकी नियुक्ति की अनुशंसा नहीं की है।

नेट बेट एसोसिएशन की ओर से लेक्चरर नियुक्ति में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए लेक्चरर नियुक्ति के लिए अनुशंसित सूची को रद्द करने का आग्रह किया था। इसे लेकर कहा गया कि योग्य उम्मीदवारों का चयन नहीं किया गया है। ऐसे में जेपीएससी की अनुशंसित सूची रद्द कर देनी चाहिए।

वहीं, जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरावाल ने पक्ष रखते हुए अदालत को बताया कि नियुक्ति की सीबीआई जांच चल रही है। इसी मामले में अपील याचिका भी लंबित है। अनुशंसित सूची पर अभी कुछ कहना उचित नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी डॉ मीरा सिन्हा, डॉ मीना कुमारी, झारखंड नेट/बेट एसोसिएशन व अन्य की ओर से अलग-अलग 19 याचिका दायर की गयी थी।

भगवान जगन्नाथ प्रभु को आज लगेगा गंज भोग

रांची, एजेंसी। घुरती रथयात्रा के पूर्व शनिवार रात को मौसीबाड़ी में भगवान जगन्नाथ स्वामी, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को रात 8ः00 बजे गंज भोग लगाया जायेगा। यह भोग पूरे साल में केवल एक दिन लगाया जाता है। इसमें उन्हें खिचड़ी, सब्जी, खीर सहित अन्य पकवान परोसे जायेंगे। बाद में प्रसाद स्वरूप भक्तों के बीच इसे बांटा जायेगा। बाद रात 8ः30 बजे मंदिर के पट बंद कर दिये जायेंगे। माना जाता है कि गंज भोग देवी लक्ष्मी और गुडिंचा मिलकर बनाती हैं। भगवान को भोग खिलाने के बाद माता लक्ष्मी उनसे मुख्य मंदिर लौटने का आग्रह करती हैं। शनिवार को सुबह 6ः00 बजे से पूजा-अर्चना शुरू हो जायेगी। घुरती रथयात्रा रविवार को है। इस दिन प्रातः 5ः00 बजे से पूजा शुरू हो जायेगी। सुबह 6ः00 बजे मंदिर के पट खुल जायेंगे। दोपहर 2ः00 बजे के बाद भगवान को रथ पर विराजमान करने का विधान शुरू होगा। शाम में 4ः30 बजे से रथ खींचा जायेगा।

इधर, शुक्रवार को भी जगन्नाथपुर मेला में सुबह से लेकर देर शाम तक लोगों की भीड़ पहुंचती रही। लोगों ने विभिन्न सामाग्रियों की खरीदारी की, तरह-तरह के व्यंजनों और झूलों व राइड का लुत्फ लिया। वहीं, सुबह में पूजा-अर्चना के लिए मंदिर में भीड़ लगी हुई थी। यह भीड़ मुख्य मंदिर से लेकर नीचे तक थी। कई लोग तो बाहर से ही भगवान की पूजा-अर्चना कर चले गये। वहीं, काफी संख्या में भक्त लाइन में अपनी बारी आने का इंतजार करते रहे। आयोजकों ने कहा कि मेले में लोगों की अच्छी भीड़ रही।

एचइसी : वार्ता बेनतीजा, सप्लाई कर्मियों का आंदोलन जारी

रांची, एजेंसी। एचइसी के सप्लाई कर्मियों ने शुक्रवार को चौथे दिन भी आउटसोर्सिंग एजेंसी का विरोध जारी रखा, जिससे उत्पादन प्रभारी रहा। इस बीच 'सप्लाई संघर्ष समिति' का एक प्रतिनिधिमंडल रंथू लोहरा के नेतृत्व में निदेशक उत्पादन बीएस गर्ग से मिला। उनके साथ सकारात्मक वार्ता हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। वहीं, प्रतिनिधमंडल ने साफ कह दिया कि जब तक उनकी मांगों पर आम सहमति नहीं बनेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगी।

इससे पहले वार्ता के दौरान समिति की ओर से रंथू लोहरा ने सप्लाई कर्मियों को पूर्व में मिल रही सुविधाओं को जारी रखने की मांग उठायी। इस पर निदेशक उत्पादन ने कहा ः एचइसी देश का पहला सार्वजनिक प्रतिष्ठान है, जहां सप्लाई कर्मियों की तादाद स्थाई कर्मियों से अधिक है। सप्लाई कर्मी कंपनी का परिवार हैं और हमेशा रहेंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल बनाये रखने का पूरा प्रयास करेंगे। आनेवाले समय में कंपनी अधिक से अधिक वर्क ऑर्डर लेने का प्रयास करेगी। फिलहाल उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है। इस पर समिति के सदस्यों ने कहा कि सप्लाई कर्मी उत्पादन की रीढ़ हैं। छह महीनों से कंपनी की साफ-सफाई और उत्पादन से लेकर सुरक्षा तक कर रहे हैं। बिना इएसआइ की सुविधा दिये प्रबंधन ने पांच महीनों तक सप्लाई कर्मियों से काम लिया। उस दौरान बीमारी में सप्लाई कर्मियों को भारी परेशानी हुई। लगभग 10 कर्मियों की मौत भी हो गयी। जहां वेतन और सुविधाएं बढ़ाने की बात होनी चाहिए, वहां कटौती की बात हो रही है। यह सरासर गलत है।

वार्ता के दौरान समिति ने मांग रखी कि प्रबंधन को हर हाल में सितंबर 2023 से जनवरी 2024 तक का वेतन देना होगा, सप्लाई कर्मियों का पीएफ एचइसी प्रबंधन डालेगा, सप्लाई कर्मियों का मुख्य नियोक्ता एचइसी है और एचइसी रहेगा। इन सभी मांगों के निदान के लिए निदेशक कार्मिक व निदेशक उत्पादन बैठक कर मसौदा बनाएं और सप्लाई कर्मियों को विश्वास लें। इस पर निदेशक उत्पादन ने कहा ः निदेशक कार्मिक आज नहीं हैं। हमारा प्रयास होगा की बैठ कर समस्याओं का निदान निकाला जाये। वार्ता करने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में मनोज पाठक, मोईन अंसारी, ओवैसी, आजाद, प्रमोद कुमार, वाइ त्रिपाठी, अमरेंद्र कुमार भी शामिल थे।

हटिया कामगार यूनियन के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने कहा कि एचइसी के सप्लाई कर्मी पिछले 20-25 साल से स्थायी प्रवृति पर काम कर रहे हैं।

धनबाद में रेमंड शो रूम के मालिक के बेटे की मौत, सड़क हादसे में बुझे दो घरों के चिराग

राजगंज (धनबाद), एजेंसी। धनबाद में शनिवार को भीषण सड़क हादसे में दो घरों का चिराग बुझ गया। जानकारी के अनुसार, घटना राजगंज सिक्स लेन की है। हादसे में धनबाद बैंक मोड़ अवस्थित रेमंड शो रूम के मालिक विशाल कृष्णाणी के 24 वर्षीय इकलौते बेटे साहिल कृष्णाणी और मटकुरिया चेंबर अवस्थित मोटर पार्ट्स दुकान के मालिक हरदयाल सिंह के 25 वर्षीय इकलौते बेटे अनमोल की मौत हो गयी।

बताया जाता है कि कोलकाता - दिल्ली सिक्स लेन पर बरवाअड्डा से राजगंज की ओर आ रही आई ट्वेन्टी कार जे एच 10 सी टी - 0014 अचानक अनियंत्रित हो गई। कार बीच सड़क पर करीब दो-ढाई फीट तक पलटते हुए डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर के बाद कार एप्रोच रोड पर उल्टा जा गिरी। इस दौरान साहिल और अनमोल कार के ही अंदर फंसे हुए थे।

घटना की सूचना पाकर राजगंज पुलिस की गश्ती बल के जमादार सीताराम प्रसाद और जवान मौके पर पहुंचे। इसी बीच मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। लेकिन व्यवस्था के अभाव के बावजूद पुलिस बल ने राहत कार्य शुरू किया। करीब आधा घंटा बाद एनएचएआई का क्रेन पहुंचा। रस्सी, रड, गैयंता व बांस बल्ली के जरिए क्रेन की मदद से पहले गाड़ी को सीधा किया गया। फिर दरवाजा तोड़कर दोनों युवकों का शव बाहर निकाला गया।

पुलिस ने दोनों युवकों का शव एम्बुलेंस से धनबाद एसएनएमसीएच भेज दिया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि दुर्घटना आखिर कैसे हुई। चलती कार अचानक अनियंत्रित कैसे हुई क्या किसी अन्य वाहन से टक्कर हुई घटना के पीछे कार रेसिंग या ओवरटेक या अन्य कोई बात है ऐसे कई प्रश्न चर्चा का विषय है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों युवक अहले सुबह घर से निकलकर तोपचांची बारह नंबर अवस्थित एक चर्चित रेस्टोरेंट जा रहे थे। लेकिन, इसे लेकर परिवार की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है।

एसईआर क्षेत्र में बिछाई जाएंगी 12 नई रेल लाइनें, 5 हैं स्पेशल प्रोजेक्ट

जमशेदपुर, एजेंसी। दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्र में 12 नई रेल लाइनों को रेलवे बोर्ड से स्वीकृति मिली है, जिनमें पांच को स्पेशल रेलवे प्रोजेक्ट घोषित किया गया है। यह जानकारी जमशेदपुर निवासी शशांक शेखर स्वाई द्वारा सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई थी, जिसके बाद प्रथम अपीलीय अधिकारी के माध्यम से विवरण प्रदान किया गया। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2028 से 2030 तक विभिन्न नए सेक्शनों में रेल लाइन बिछाई जाएगी, जिससे न केवल ट्रैफिक दबाव कम होगा बल्कि यात्रियों की सुविधा भी बढ़ेगी।

इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से हावड़ा-मुंबई और हावड़ा-चेन्नई जैसे व्यस्ततम मार्गों पर ट्रैफिक का बोझ कम होगा और क्षेत्रीय संपर्क बेहतर होगा।

प्रमुख स्वीकृत रेल लाइनेंः

सांतरागाछी-पाशकुड़ा (चौथी लाइन): फाइनल लोकेशन सर्वे और डीपीआर तैयार, पीईसी बैठकें हो चुकी हैं।

खड़गपुर-टाटानगर (चौथी लाइन): डीपीआर तैयार, रेलवे बोर्ड द्वारा बागडिही तक सिंगल डीपीआर का निर्देश।

टाटानगर-राउरकेला (चौथी लाइन): आदित्यपुर, राजखरसावां, बंडामुंडा सेक्शन शामिल; डीपीआर भेजी गई।

राउरकेला-बागडिही (चौथी लाइन): फाइनल सर्वे व डीपीआर पूर्ण।

बागडिही-झारसुगुड़ा (चौथी लाइन): टेंडर प्रक्रिया पूर्ण, श्री बालाजी इंजीनियरिंग लिमिटेड को कार्य सौंपा गया।

स्पेशल रेलवे प्रोजेक्ट्स

सिल्ली-इलू बाइपासः टेंडर प्रक्रिया पूरी, मार्च 2027 तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य।

बदामपहाड़-केंदूझारग्रामः भूमि अधिग्रहण व टेंडर प्रक्रिया जारी।

गोरुमोहिषानी-बंगारपोशीः एल-सेक्शन फाइनल, भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया प्रगति पर।

चाकुलिया-बुड़ामाराः जांच के बाद स्पेशल प्रोजेक्ट घोषित, भूमि अधिग्रहण जारी।

जलेश्वर-चंद्रेश्वरः विभिन्न स्तरों पर बैठकें पूरी, रिवाइज पीपीटी और खर्च विवरण रेलवे बोर्ड को सौंपा गया।

अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएंः

नीमपुरा-खड़गपुर (थर्ड लाइन, 6.41 किमी)ः अनुमानित लागत 157.86 करोड़। हावड़ा-मुंबई व हावड़ा-चेन्नई रूट में सबसे अधिक ट्रैफिक होने के कारण नया थर्ड लाइन तैयार किया जा रहा है।

सुभाषितम्

यदि हम समाधान का हिस्सा नहीं हैं तो इसका मतलब यही है की हम खुद समस्या हैं। - कहावत

अनिल अंबानी का 49,000 करोड़ का बैंक घोटाला

अनिल अंबानी द्वारा 49,000 करोड़ रुपये का बैंक कर्ज हड़पना भारतीय बैंकिंग इतिहास की उन घटनाओं में शामिल हो गया है, जो यह साबित करती है, कि किस तरह देश का बैंकिंग सिस्टम कुछ खास कॉरपोरेट घरानों के लिए लूट की खुली छूट बन गया है। अनिल अंबानी की कंपनियों ने 53 बैंकों से भारी-भरकम कर्ज लेने के बाद, अंबानी ने अपने आप को दिवालिया कानून के अंतर्गत दिवालिया घोषित कर दिया है। दिवालिया कानून की आड़ में खुद को निर्दोष साबित कर दिया। अब अनिल अंबानी सरकार की सरपरस्ती में नई कंपनियों के जरिए फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन जैसी विदेशी कंपनियों के साथ हवाई जहाज बनाकर उड़ा रहे हैं। क्या इसे बैंकों की लूट और न्याय व्यवस्था की सुनियोजित हत्या नहीं मानी जानी चाहिए? एनसीएलटी में जब रिलायंस कम्युनिकेशन का मामला पहुंचा तो दावा किया गया, कि कंपनी के ऊपर 47,000 करोड़ का बकाया है। सेटलमेंट के नाम पर दिवालिया कानून के तहत बैंकों को मात्र 455 करोड़ रुपए की राशि मिली। जो कुल कर्ज का सिर्फ 0.92 फीसदी है। बाकी पैसा डूबत खाते में लिखकर बैंक की बैलेंस शीट को पाक-साफ कर दिया गया। यह रकम किसी उद्योगपति की जेब से नहीं आई थी। सरकारी खजाने से भी यह राशि नहीं आई। बैंकों ने शुल्क बढ़ाकर ग्राहकों से वसूल किया। बैंक की ब्याज दरें घट गईं, तरह-तरह से शुल्क वसूल किए जाने लगे। देश की आम जनता की मेहनत की कमाई जो बैंकों में जमा थी उस पर आम जनता को भारी टैक्स देना पड़ रहा है। विडंबना देखिए, अंबानी ने एनसीएलटी में राहत पाने के लिए आईबीसी की धारा 32 ए का सहारा लिया। इस नियम के अंतर्गत दिवालिया प्रक्रिया को मंजूरी मिल जाती है, तो पुरानी जिम्मेदारियों से कंपनी और उनके डायरेक्टर कर्ज से मुक्त माने जाते हैं। कारपोरेट जगत को फायदा पहुंचाने के लिए यही कानूनी जाल है। करोड़ों-हजारों का घोटाला कानून के मुताबिक जायज बन जाता है। यह सुविधा आम आदमी के लिए नहीं है। सवाल यह है, क्या कोई आम आदमी 50 लाख का लोन न चुका पाए तो उसे भी ऐसी छूट मिलेगी? नहीं। उसके घर पर ताला जड़ दिया जाएगा। बैंक नोटिस चस्पा कर संपत्ति पर कब्जा कर लेगी। जब कोई उद्योगपति हजारों करोड़ डुबो देता है, तो उसे नई शुरूआत करने सरकार और बैंकों से फिर से सहायता मिल जाती है। उनकी निजी संपत्ति और मकान इत्यादि सुरक्षित रहते हैं। सरकार मूकदर्शक बनकर तमाशा देखती रहती है। यह मामला सिर्फ अंबानी का नहीं है, यह कारपोरेट जगत के सिस्टम का आईना है। जहां भ्रष्टाचार को ही नीति बना दिया गया है। कारपेट जगत के लोग सरकार और बैंकों के अधिकारी मिलकर इस लूट में शामिल होते हैं। अब भी जवाबदेही तय नहीं हुई, तो भविष्य में और भी बड़े कॉरपोरेट दिवालिया होकर अमीर बनने के नए-नए इतिहास गढ़ेंगे। आम जनता हर महीने बैंक की लाइन में खड़ी होकर तरह-तरह के शुल्क देकर लूट की भरपाई करती रहेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, भारत में अब दो तरीके के कानून प्रचलित हैं एक कानून कॉरपोरेट जगत और समर्थ लोगों के लिए और दूसरा कानून आम जनता और गरीब लोगों के लिए है। न्यायपालिका में भी अब यही स्थिति देखने को मिलती है। न्यू इंडिया का यह नया आर्थिक मॉडल है, जहां कारपोरेट जगत की लूट को कानून का कवच मिला हुआ है। इस कवच के सहारे वह बैंकों को दिनदहाड़े लूट रहे हैं। लूट कर विदेशों में भाग जा रहे हैं। यहां रहते हुए भी उन्हें सरकार और बैंक की सहायता मिल रही है। आम आदमी को जरूर हर तरह से लूटा जा रहा है। आम लोगो को अपने अधिकार और अपने मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए स्वयं आगे आना पड़ेगा अन्यथा यह क्रॉनि पूंजीवाद लोगों को गुलामी की दशा में ले जाएगा।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं। राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है। इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

पृथ्वी की सतह पर ओजोन का बढ़ता खतरा

विश्व भर में वायुमंडल की ओजोन परत के क्षय होने की समस्या से निजात पाने के लिए तो तमाम सारे कानून मौजूद है ,लेकिन ताज्जुब की बात यह है कि पृथ्वी की सतह पर ओजोन की बढ़ती मात्रा की रोकथाम के लिए कोई कानून नहीं है। गौरतलब है कि भूमि पर ओजोन की बढ़ती मात्रा वायु प्रदूषण में ईजाफा कर रही है। जानकारों का कहना है कि इस अदृश्य प्रदूषण को नजरंदाज नहीं किया जा सकता, क्यों कि यह मानव और पर्यावरण के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इन दिनों हमारी पृथ्वी जिस नए संकट से जूझ रही है, वह भूमि पर मौजूद ओजोन का खतरा है ।16दिसम्बर1987 को संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में ओजोन परत से उत्पन्न संकट के निदान हेतु कनाडा के मांट्रियल शहर में विश्व भर के तीन दर्जन से अधिक देशों ने स्वेच्छा से समझौते पर दस्तखत किए थे। उक्त समझोते को मेट्रियल प्रोटोकॉल के नाम से जाना जाता है। कनाडा सम्मेलन में इस मुद्दे पर भी विचार विमर्श किया गया था कि ओजोन परत का विनाश करने वाले पदार्थ क्लोरोफलोरो कार्बन के उत्पादन और उपयोग को कैसे सीमित किया जाए। हिंदुस्तान ने भी इस पर अपनी सहमति जताते हुए दस्खत किए थे, लेकिन हैरत की बात है कि इस पर अभी तक अमल नहीं हुआ। तल्ख सच्चाई यह है कि ओजोन गैस वायुमंडल में पतली और पारदर्शी परत के रूप में मौजूद रहती है। हालांकि वायुमंडल में ओजोन का प्रतिशत अन्य गैसों की तुलना में बहुत कम होता है। ओजोन की मात्रा क्षोभ मंडल में भी पाई जाती है। यह हानिकारक पैरा बेंगनी विकिरण से बचाने का काम करती है । वर्तमान समय में मानव जनित औद्योगिक प्रदूषण के परिणाम स्वरुप क्षोभ मंडल में ओजोन की मात्रा बढ़ रही है। वाहनों से उत्सर्जित होने वाला धुआं जैसे ही सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आता है तो ओजोन का निर्माण होता है। यह ओजोन गैस लोगों के बाद स्वास्थ्य और सेहत को तो खराब कर ही रही है, फसलों को भी नुकसान पहुंचा रही है। हालात यह तक पहुंच गए हैं कि जैसे जैसे वाहनों की संख्या में इजाफा हो रहा है वैसे वैसे इसकी गति भी बढ़ रही है ।ऐसी स्थिति में पर्यावरण में उपस्थित ओजोन वैज्ञानिको के लिए चुनौती बनता जा रहा है। पर्यावरण में तेजी से बढ़ती ओजोन की मात्रा से इंसानियत को हो रहे नुकसान को देखते हुए विश्व भर में अनेक शोध हो रहे हैं। हिन्दुस्तान में भी राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक यह पता लगने का प्रयास कर रहे हैं कि यदि पर्यावरण में ओजोन की मात्रा निरंतर बढ़ती रही तो फसलों पर इसका कितना असर पड़ेगा। वायुमंडल में ओजोन की पतली परत की मोजुदगी वेज्ञानिको की चिन्ता का कारण बना हुआ। है । ओजोन परत आक्सीजन के तीन अणुओं से बना है। जीवन के लिए आक्सीजन के सिर्फ दो अणुओं की आवश्यकता होती है, सच तो यह है कि आक्सीजन के तीन अणु नुकसानदेह होते हैं जो भूमि पर एकत्रित होकर मानव और पौधों की सांस में व्यवधान उत्पन्न करते हैं। विधुत संयंत्र, वाहनों, रिफाइनरियों और अन्य स्त्रोतों से हुआ प्रदूषण सूर्य के प्रकाश के साथ मिलता है, तो हानिकारक गैस ओजोन का निर्माण होता है और वह भूमि पर जमा होती जाती है। गौरतलब है कि सर्दियों के दौरान स्माग का निर्माण भी ऐसे ही होता है,स्माग के निमित होने की अहम वजह ओजोन ही होता है ।जब हवा में घुली ओजोन मनुष्य के फेफड़ों में जाती है तो यह फेफड़ों के छोटे छोटे -छोटे छेदों को बंद करने का प्रयास करती है। ऐसे में इसके प्रभाव से सीने में दर्द और खांसी होने लगती है यह तक कि फेफड़े तक काम करना बंद कर देते हैं, जिससे इंसान की मौत तक हो जाती है। मौजूद दौर में अस्पतालों में प्रति दिन त्वचा संबंधी रोगियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। जानकारों के मुताबिक ऐसा इस कारण से हो रहा है क्योंकि सुरक्षा कवच कहीं जाने वाली ओजोन की परत का क्षरण हो रहा है। यदि समय रहते ओजोन परत की हिफाजत नहीं की तो आने वाले दिनों में तमाम सारी जानलेवा बीमारियों का सामना करना पड़ेगा। लिहाजा इससे बचने के लिए हमें भूमि के इर्द-गिर्द बढ़ती ओजोन गैस को रोकना होगा। शोध से ज्ञात हुआ है कि जमीनी स्तर पर ओजोन गैस फसलों को क्षति पहुंचा रही है। इसका असर दिखाई देने लगा है, गेहूं, चावल, सोयाबीन और कपास की फसलो को क्षति पहुंची। माना जाता है कि हमारे देश में फसलों को हुई क्षति की अहम वजह भूमि पर मौजूद ओजोन ही है। पेड़ पत्तियों पर इस का असर दिखाई देने लगा है उनके पत्ते सूखने लग गए हैं। हालांकि ओजोन परत को क्षति पहुचाने के लिए सबसे ज्यादा कसूरवार चीन को ठहराया जा रहा है। क्यों कि चीन के तमाम सारे उद्योग भारी मात्रा में प्रतिबंधित गैसें खुले वातावरण में छोड़ रहे हैं, जिससे ओजोन की परत के छेद में इजाफा हुआ है। कड़वा सच किया है कि चीन के पूर्वोत्तर में लगे तमाम सारे उद्योगों से भारी मात्रा में ओजोन परत को भेदने वाली गैसे निकल रही है। शोधकताओं का दो टूक शब्दों में कहना है कि जमीनी स्तर पर ओजोन का प्रभाव हिन्दुस्तान और चीन जैसे मुल्कों पर सबसे ज्यादा होगा। उधर नॉर्वे और अटलांटिक में भी भूमि पर ओजोन की समस्या गंभीर है ।ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां गर्मियों में 24 घंटे का दिन होता है। हाल के वर्षों में नार्वे में ओजोन की मात्रा 150 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के करीब पहुंच गई है। अभी तक जितने भी शोध हुए हैं ,उनसे पता चला है कि कैसे दिन बड़े होने से भूमि पर ओजोन पौधों को प्रभावित करती है ।दुनिया में वायुमंडल की ओजोन परत के क्षय होने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए तो कई कानून लेकिन भूमि की सतह पर ओजोन की बढ़ती मात्रा को रोकने के लिए कोई विशेष कानून अभी तक नहीं बना है ।भूमि पर ओजोन की बढ़ती मात्रा वायु प्रदूषण को बढ़ा रही है ।आने वाले वक्त में इस अदृश्य प्रदूषण को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता ,क्योंकि यह मानव और पर्यावरण के लिए बहुत घातक साबित हो सकता है । ओजोन परत को भूमि का सुरक्षा कवच माना जाता है ,जो पराबैंगनी किरणों के हानिकारक प्रभाव से हमारी रक्षा करता है ।लेकिन पृथ्वी पर तेजी से बड़े रहे प्रदूषण के कारण ओजोन की परत घटती जा रही है ।प्रदूषण कम करने के लिए कई अभियान चलाए जा रहे हैं लेकिन हकीकत है कि फिर भी ओजोन की परत को सुरक्षित करने में तमाम सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ।ओजोन परत के क्षय की मुख्य वजह कुछ और नहीं ,बल्कि हम स्वयं जिम्मेदार हैं । यदि पर्यावरण में ओजोन की मात्रा इसी तरह गति से बढ़ती रही

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी: भारत की एकता के अमर प्रहरी

-हेमन्त खण्डेलवाल

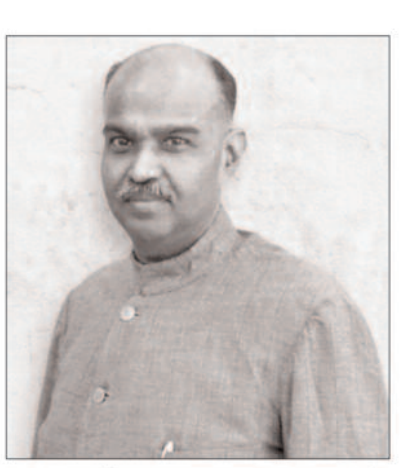

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने विचारों, संघर्षों और बलिदानों से समय की धारा को मोड़ने का संकल्प रखते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही एक युगद्रष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे। 6 जुलाई को उनका जन्मदिवस केवल एक स्मरण तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। देश की स्वतंत्रता के पश्चात जम्मू-कश्मीर को लेकर जो परिस्थितियाँ निर्मित हुईं, वे राष्ट्र की एकता के लिए चुनौती बन गई थी। अनुच्छेद 370 और 35ए जैसे प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से पृथक करने का प्रयास किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस वैचारिक विभाजन का डटकर विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चल सकते। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनका जीवन दर्शन था। उन्होंने कहा था कि जब कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहाँ भी भारत के समान संविधान और शासन होना चाहिए। अपने इस सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, वर्षों बाद उनका सपना साकार हुआ जब 2019 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किया गया। यह कदम केवल एक संवैधानिक सुधार नहीं था, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का ऐतिहासिक संकल्प था। इस निर्णय के पीछे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद की विचारधारा स्पष्ट रूप से झलकती है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक स्पष्ट और सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा प्रस्तुत की। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वैचारिक प्रतिबद्धताएँ राष्ट्रहित से टकराने लगीं, तब उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह केवल पद का त्याग नहीं था, बल्कि राष्ट्रहित के लिए एक साहसिक और कर्त्तव्य निष्ठ कदम था। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा संघर्ष जम्मू-कश्मीर की परमिट प्रणाली के खिलाफ था। यह व्यवस्था कश्मीर में भारतीय नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही को सीमित करती थी, जिससे भारत के अंदरूनी हिस्सों को एक-दूसरे से जोड़ना मुश्किल हो रहा था। 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का साहस दिखाया, जिसके पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु 23 जून 1953 को हुई। अत्यंत पीड़ादायक है कि न उन्हें समुचित चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई और न ही उनकी मौत की निष्पक्ष जांच की गई। उनकी माता श्रीमती योगमाया देवी ने इसे ह्यमेडिकल मर्डरह्न करार दिया, पर सत्ता तंत्र मौन रहा। डॉ. मुखर्जी का यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके निधन के कुछ सप्ताहों के भीतर ही कश्मीर की परमिट प्रणाली समाप्त कर दी गई और धीरे-धीरे वह व्यवस्था बदली, जिसने देश के भीतर अलगाव और तनाव पैदा किया था। हालांकि कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, परन्तु उनकी विचारधारा आज भी भारतीय राष्ट्रवाद का आधार है। 2004 के बाद जब देश में कांग्रेस की सत्ता रही, तब जम्मू-कश्मीर को विशेष स्वायत्तता देने की बातें पुनः उठी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2010 में जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता की बात कहकर भारत की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया। कांग्रेस ने पीडीपी की कठपुतली बनकर आतंकवादियों के प्रति नरमी बरती, जिससे कश्मीर में दशकों तक हिंसा और विस्थापन हुआ। हजारों नागरिक शरणार्थी बने और उनकी जिंदगी कठिन हुई। इस दौरान अलगाववादी शक्तियों को बढ़ावा मिला और भारत विरोधी गतिविधियां फलने-फूलने लगीं। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद और अलगाववाद को दफन कर देश की एकता को मजबूत किया। डॉ. मुखर्जी के संघर्ष और बलिदान के कारण ही जम्मू-कश्मीर आज भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय जनसंघ से भाजपा तक की राजनीति का मूल राष्ट्रवाद रहा है, जिसने देश की अखंडता और सुरक्षा को सर्वोपरि रखा। शिक्षा के क्षेत्र में भी डॉ. मुखर्जी ने अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने उच्च शिक्षा को भारतीय संस्कृति से जोड़ने पर जोर दिया, ताकि देश की युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आधुनिक ज्ञान प्राप्त कर सके। आज नई शिक्षा नीति में भी उनके विचारों की परछाई मिलती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, तीन तलाक विरोधी कानून, डॉ. मुखर्जी के सामाजिक दृष्टिकोण और राष्ट्रहित के विचारों का प्रतिफल हैं। ये योजनाएं देश के गरीब और पिछड़े तबकों को सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं, जैसा कि डॉ. मुखर्जी ने सदैव समर्थन किया। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी भारत के महान राष्ट्रवादी नेता थे, जिनका जीवन देशभक्ति और समर्पण की मिसाल है। वे पद, प्रतिष्ठा या स्वार्थ से ऊपर उठकर केवल देश की सेवा में लगे रहे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा राष्ट्रवाद केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि सिद्धांतों और न्याय के लिए निरंतर संघर्ष है। आज जब भारत 2047 में स्वावलंबी और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उनकी शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। डॉ. मुखर्जी का आदर्श और बलिदान हमारे लिए एक अमर प्रेरणा हैं।

कुर्सी है तुम्हारा, ये जनाजा तो नहीं है सड़क से सोशल मीडिया तक

- सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़ की राजनीति में बीते कुछ वर्षों में जितना बदलाव दिखा है, उतनी ही तेजी से संवाद के माध्यम भी बदले हैं। कभी विधानसभा की बहसों और प्रेस कांफ्रेंसों तक सीमित रहने वाली नेताओं की जुबानी जंग अब सीधे जनता के मोबाइल फोन की स्क्रीन पर, ट्विटर (अब) जैसे मंचों पर लड़ी जा रही है। ताजा मामला भी कुछ ऐसा ही है, जहाँ एक खराब सड़क से शुरू हुआ सवाल, सत्ता और विपक्ष के बीच तीखे शब्दों की लड़ाई में तब्दील हो गया। इस बार मैदान है झ सोशल मीडिया। इस पूरे विवाद की शुरूआत एक साधारण सोशल मीडिया पोस्ट से हुई, जिसमें छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने अवैध घुसपैठियों की जानकारी देने के लिए टोलफ्री नंबर जारी करने की अपील की। यह एक नियमित प्रशासनिक घोषणा थी, लेकिन जनता की तकलीफें अक्सर वहां से बोल पड़ती हैं, जहाँ से सरकार जवाब देने की उम्मीद नहीं करती। विजय शर्मा की पोस्ट पर एक व्यक्ति ने तंज कसते हुए पूछा झ यदि सड़क खराब हो, बदहाल हो, तो उसकी जानकारी कहाँ दी जाए, मंत्री महोदय? इस प्रश्न ने न केवल जमीनी हकीकत को उजागर किया, बल्कि एक राजनीतिक ज्वालामुखी का मुंह भी खोल दिया। उपमुख्यमंत्री ने जवाब में जो किया, वही विवाद की जड़ बन गया। उन्होंने जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का मोबाइल नंबर शेयर करते हुए लिखा झ इस नंबर पर दीजिए, क्योंकि यह उन्हीं की देन है। राजनीतिक कटाक्ष की कला में माहिर माने जाने वाले भूपेश बघेल ने इस टिप्पणी को हल्के में नहीं लिया। उन्होंने उसी पोस्ट पर तीखा पलटवार करते हुए लिखा झ कुर्सी है तुम्हारा, ये जनाजा तो नहीं है। कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते, कमाल है विजय शर्मा जी! यह टिप्पणी न केवल काव्यात्मक कटाक्ष थी, बल्कि सत्ता पक्ष की अक्षमता पर करारा तंज भी। बघेल ने आगे और तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि आप (विजय शर्मा) सड़कों की दुर्गति नहीं सुधार सकते और मेरी मदद चाहिए, तो उप मुख्यमंत्री और गृह मंत्री का पद छोड़ दीजिए। अगर जनता को ही सब संभालना है, तो भाजपा सरकार को भी इस्तीफा दे देना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा प्रश्न यह है झ क्या सत्ता पक्ष अपने कर्तव्यों से पलायन कर रहा है? जनता का सवाल सीधा था झ सड़क खराब है, उसकी शिकायत कहाँ करें। उप मुख्यमंत्री ने सीधा जवाब देने की बजाय, पूर्ववर्ती सरकार को दोषी ठहराते हुए नंबर शेयर कर दिया। यह राजनीतिक शैली कोई नई नहीं है झ नई सरकार अक्सर पुरानी सरकार की नाकामियों को उजागर कर अपनी कमजोरियों पर पर्दा डालती है। लेकिन जब सवाल जनता के बुनियादी हक से जुड़ा हो झ जैसे कि सड़क, पानी, बिजली, राशन, तो इस तरह की जवाबदेही से बचने वाली रणनीति भारी पड़ सकती है। इस विवाद ने एक और बात साफ कर दी झ सोशल मीडिया अब नेताओं के लिए केवल प्रचार का माध्यम नहीं रह गया, बल्कि यह अब विरोध का अखाड़ा बन चुका है। विजय शर्मा और भूपेश बघेल के बीच की यह जंग जितनी सड़कों पर नहीं दिखी, उतनी (ट्विटर) पर दिखाई दी।

आज का राशिफल

- **मेष** आज दिन बहुत अच्छा है और आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। तरक्की के योग बन रहे हैं।
- **तुला** दिन जोखिम भरे कामों से जुड़ा है। आपको परिवार के लोगों से हर प्रकार की मदद प्राप्त होगी।
- **वृषभ** आज दिन सम्मान और प्रशंसा का है और आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगा।
- **वृश्चिक** आज दिन काफी परेशानियों से भरा और अस्त-व्यस्त रह सकता है।
- **मिथुन** दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है और आपके घर में किसी कारण से विवाद हो सकता है।
- **धनु** आपको प्रतियोगिता या परीक्षा में सफलता के लिए उचित योजना बनाने से लाभ होगा।
- **कर्क** आज दिन बहुत शुभ है और आर्थिक मामलों में आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं।
- **मकर** दिन खुशियों भरा रहेगा और आपको बड़े सौदों से लाभ होगा। परिस्थितियां अनुकूल होंगी।
- **सिंह** दिन परेशानियों वाला हो सकता है और काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।
- **कुंभ** दिन काम का बोझ लेकर आएगा और विरोधी फालतू कामों में उलझाने की कोशिश करेंगे।
- **कन्या** आज दिन शुभ है और हर प्रकार का असमंजस दूर होगा। आपके सभी रुके हुए काम पूरे होंगे।
- **मीन** रोजगार पर ध्यान देने का है और आपके व्यवसाय के विस्तार के लिए अच्छा समय है।

विशेष

केजरीवाल दिल्ली का घाव गुजरात से भरेंगे

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने अरविंद केजरीवाल को बड़ा गहरा घाव दिया है। इस घाव को भरने के लिए अरविंद केजरीवाल गुजरात पहुंच गए हैं ।जहां पर वह दिल्ली का बदला लेने की तैयारी कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने गुजरात जोड़ो अभियान शुरू किया है। भाजपा का राज यहां 30 साल से है। पूरा गुजरात बेहाल है। केजरीवाल को लग रहा है, दिल्ली की शीला दीक्षित की सरकार से ज्यादा आउटपुट उन्हें गुजरात मे मिल सकता है। यहीं से उनके घाव भरेगा। गुजरात विधानसभा चुनाव अरविंद केजरीवाल और भाजपा के लिए एक बड़ा रण का मैदान बनने जा रहा है।

सोच दमदार काम असरदार, मोदी की बराबरी में नीतीश कुमार

2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले कोई खड़ा नहीं हुआ। नरेंद्र मोदी की फोटो के पास अन्य किसी की फोटो उनके बराबरी मे नहीं लगाई जाती है ।11 साल बाद बिहार ने इस ट्रेंड को बदल दिया है। भाजपा कार्यालय में नरेंद्र मोदी के साथ बराबरी से नीतीश कुमार खड़े हैं। बिहार में भाजपा और नीतीश कुमार की पार्टी गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। पूरे बिहार में जो पोस्टर लगाए जा रहे हैं। उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कद एक सा है। इसको लेकर सारे देश में आश्चर्य हो रहा है। मोदी को जो पसंद नहीं है, वह बिहार में कैसे हो रहा है। बिहार में क्या भाजपा की हालत इतनी खराब हो गई है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1535 इंग्लैंड में राजद्रोह के आरोप में सर थामस मोर को मौत के घाट उतार दिए गया. 1573 फ्रांस में चौथा धर्मयुद्ध समाप्त हुआ. 1837 प्रसिद्ध विद्वान और समाज सुधारक आर.जी. भंडारकर का जन्म हुआ. 1901 भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्याम प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ. 1919 ब्रिटिश विमान पहली बार अटलांटिक महासागर पार कर न्यूयॉर्क में उतरा. 1923 सोवियत संघ की स्थापना हुई. 1935 तिब्बतियों के धर्मगुरु दलाई लामा का जन्म हुआ. 1945 संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र स्वीकार करने वाला निकारागुवा पहला देश बना. 1986 नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार करने वाले आस्ट्रेलिया के दो लोगों को मलेशिया में मौत की सजा दी गई. 1990 नाटो के देशों ने यूरोप में परमाणु और परंपरागत हथियारों में कटौती का ऐलान किया.

दैनिक पंचांग

6 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.09 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	08.25 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.37 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.48 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.02 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.18 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.24 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.10 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.43 बजे से
राहुकाल		मेष	00.13 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		वृष	01.54 बजे से
		मिथुन	03.52 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 187 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 21.16 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 22.42 बजे को समाप्त।
योग साध्य 21.27 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.10 बजे तदनन्तर विष्टि 21.16 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 41'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872397
जूलियन दिन 2460862.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 10
विशेष देवशयनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कोर्स कर कॅरियर को दें नई उड़ान

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इस कोर्स को करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना जरूरी है।

कोरोना महामारी के बाद हेल्थ सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए हैं। साथ ही कॅरियर के तौर पर भी कई ऑप्शन सामने आए हैं। बता दें कि पहले नर्सिंग और एमबीबीएस कर मेडिकल सेक्टर में कॅरियर बनाया जा सकता था। लेकिन अब इस सेक्टर में मेडिकल की डिग्री के बिना भी आप अपना कॅरियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक कॅरियर ऑप्शन हॉस्पिटल मैनेजमेंट का है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं के विस्तार के अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी काम बढ़ रहा है। आइए जानते हैं आप कैसे इस सेक्टर में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

जानिए क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट

हॉस्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के क्षेत्र में आता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इसके अलावा इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हॉस्पिटल आने वाले मरीजों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो। हॉस्पिटल मैनेजमेंट टीम इन व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का काम भी करती है।

अहम है यह फील्ड

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के तहत हॉस्पिटल में चलने वाली कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार ही आता है। किसी भी संचालन में कमी और अस्पताल में होने वाले हादसों की जिम्मेदारी भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट की होती है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल 2025 तक 10 लाख से ज्यादा हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत होगी।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

कई संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट में बैचलर की डिग्री देते हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है। इसके अलावा आप इसमें प्रोफेशनल कोर्स में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स में एमबीए वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स डिप्लोमा सर्टिफिकेट भी देते हैं।

क्वालिफिकेशन

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना आवश्यक होता है। यह कोर्स करने के लिए छात्र के 12वीं में बायोलॉजी में न्यूनतम 50% अंक होने जरूरी है। कुछ शैक्षणिक संस्थान इंटरव्यू और टेस्ट के आधार पर भी इस कोर्स में दाखिला देते हैं।

सैलरी

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उम्मीदवार 40 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका मिलता है। इसके अलावा सरकारी संस्थान में एक से डेढ़ लाख रूपए महीने की सैलरी उठा सकते हैं। समय और अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी।

क्या आप ओलंपियाड में सफलता चाहते हैं

सुनहरे कल की ओर बढ़ने के लिए आपके लिए यह जरूरी है कि आज आप अपने को सुव्यवस्थित करें। पढ़ाई के प्रति गंभीर हर छात्र अपनी अकादमिक सफलता का सपना देखता है और इस सपने को साकार करने के लिए यह जानना जरूरी है कि सफलता के मार्ग पर कैसे बढ़ें और कैसे एक सफल रणनीति बनाएं। यदि आप ओलंपियाड में महत्वाकांक्षी सफलता चाहते हैं, आपके लिए रणनीतिक योजना बनाना जरूरी हो जाता है।

किसी योजना के बिना लक्ष्य केवल इच्छा मात्र है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, ओलंपियाड, जैसे साइंस ओलंपियाड, मैथेमेटिकल ओलंपियाड या अस्ट्रोनोमी ओलंपियाड, छात्रों के लिए भारत और विदेशों में होने वाली चुनौतीपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए खुद को तैयार करने के लिए सीखने के बहुत ही बेहतरीन अवसर हैं। ये परीक्षाएं न केवल छात्र के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करती हैं, बल्कि उन्हें अपनी खुद की क्षमता को चुनौती देने और आत्म-मूल्यांकन करने और परिपक्व होने में भी मदद करती हैं। लगभग हर छात्र अपने स्कूल में कम से कम एक ओलंपियाड में हिस्सा अवश्य लेता है लेकिन ओलंपियाड में हिस्सा लेना अंधेरे में तीर चलाने की तरह नहीं होना चाहिए। कोई भी प्रतिस्पर्धी / शैक्षिक परीक्षा में सफल होने के लिए आपको सही रणनीति, विधिवत दृष्टिकोण, समर्पण और रूख अपनाना चाहिए। यहां उन बिंदुओं की सूची दी गई है जो आपको ओलंपियाड के लिए अच्छी तरह से तैयार करने में मदद करेंगे और आप अपने इस रास्ते में किसी भी बड़ी बाधा का सामना किए बिना आपके निर्धारित लक्ष्य को हासिल करके विजेता के रूप में उभरेंगे।

तैयारी की शुरूआत जल्द करें

किसी कार्य की शुरूआत करने का कोई खास दिन नहीं होता है। आज से आप शुरूआत कर सकते हैं-जैसे ही आप अपने लक्ष्य निर्धारित कर लेते हैं, आप अपने लक्ष्य को पार करने के प्रति अपने को अनुकूल बनाने लगते हैं। आप केवल अपनी तैयारी थोड़ा पहले शुरू करें। जल्द तैयारी शुरू करना केवल ओलंपियाड में सफल होने की कुंजी नहीं है, बल्कि हर प्रतिस्पर्धी/शैक्षिक परीक्षा में उत्कृष्टता हासिल करने की कुंजी है। अगर आप जल्द तैयारी शुरू करते हैं तो आप सही समय पर अपनी तैयारी पूरी कर लेंगे और आप समय से पहले नहीं थकेंगे। आप अपने को भरपूर समय दें, अपनी प्रगति को देंखे तथा अपने लक्ष्य पर नजर रखें। याद रखें कि दुनिया भर में लाखों छात्र ओलंपियाड देते हैं। यह इस बात का संकेत है कि आप जिन सवालों को लेकर अभ्यस्त हैं उनसे कहीं कठिन सवाल इसमें पूछे जाने वाले हैं। इसलिए आपको हर कंसेप्ट को पूरी तरह से समझने के लिए समय चाहिए।

सही दृष्टिकोण अपनाएं

अपने जीवन में अपनी सबसे बड़ी क्षमता प्राप्त करने की दिशा में आप जो सबसे महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं उनमें में से एक है सकारात्मक दृष्टिकोण हासिल करने के बारे में सीखना। साकारात्मक दृष्टिकोण का असर आपके प्रदर्शन और आपके आसपास की हर चीज पर पड़ता है। इसलिए आप इससे पहले की अकादमिक उत्कृष्टता की ओर बढ़ें, आपके लिए दृष्टिकोण को सही तरीके से प्राप्त करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लक्ष्य की ओर एक आशावादी दृष्टिकोण अपनाने से आपको सही उत्साह और जुनून के साथ मार्ग में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

अपने पाठ्यक्रम को जानें

आप अपने क्लास नोट्स तथा एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों को पूरी तरह से पढ़ें। आप अपने बेसिक को मजबूत करें। यदि आप कंसेप्ट्स को अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप किसी भी प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं, यहां तक कि घुमाकर पूछे जाने वाले मुश्किल सवाल का जवाब भी बता सकते हैं। विज्ञान और गणित जैसे विषयों में आपको अपनी नींव मजबूत बनानी चाहिए। तैयारी करने की युक्तियों को तर्कसंगत बनाने के लिए, परीक्षा के पाठ्यक्रम और पैटर्न को अच्छी तरह से जानना जरूरी है। सुनिश्चित करें कि आप जिस कठिनाई के स्तर वाली सामग्रियों / विषयों से अवगत हुए हैं वे वास्तविक परीक्षा के साथ भी जुड़े हैं।

ओलंपियाड के लिए सही अध्ययन सामग्रियां खोजने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें

पाठ्यक्रम और सैम्पल पेपर डाउनलोड करें

इंटरनेट पर कई विश्वसनीय वेबसाइट या ऑनलाइन रिसोर्स हैं जहां से आप परीक्षा के विभिन्न सैम्पल पेपर डाउनलोड कर सकते हैं जो आपको अपनी तैयारी को मापने और परीक्षा का सही रूझान हासिल करने में मदद करेंगे।

मॉक टेस्ट लें

अगर आप मॉक टेस्ट लेते हैं तो इससे आपको कमजोर विषयों का पता लगाने तथा उन विषयों में और तैयारी करने में मदद मिलेगी। यह आपको ओलंपियाड तैयारी के लिए आवश्यक समय निर्धारित करने में मदद करेगा।

गाइड करने वाले सही सलाहकार खोजें

आज के गलाकाट प्रतिस्पर्धी माहौल में, आपके पास एक सही सलाहकार होना आवश्यक है जो आपका मार्गदर्शन कर सके और आपको अंतिम सफलता की ओर अग्रसर करते हुए आपकी पढ़ाई पर भी नज़र रख सके। एक अच्छा सलाहकार आपको विशिष्ट कौशल और ज्ञान सीखने और विकसित करने में मदद करेगा। तो, आप एक ऐसा शिक्षक ढूंढें जो अच्छा हो और जो आपके वर्तमान स्तर और वांछित स्तर के बीच के अंतर को जान सके और आपको अपने सपनों के लक्ष्य की ओर बढ़ता देख सके।

अपने शेड्यूल का पालन करें और अपनी तैयारी रणनीति की निगरानी करें

यह वह समय है जब आपने अपने लिए एक रणनीति या शेड्यूल तैयार किया होता है। आप उस शेड्यूल का पालन करें और इससे दूर होने से बचें। सफलता के लिए आपके दृढ़ संकल्प की जरूरत होती है। दृढ़ रहें और अपने शेड्यूल का पालन करते हुए परीक्षा के दिन अधिक से अधिक बेहतर प्रदर्शन करें। एक बार जब आप तैयारी पथ पर चलना शुरू कर देते हैं, तो अपनी प्रगति की निगरानी करना न भूलें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप सही दिशा में जा रहे हैं इसके लिए आप आपने कौशल एवं ज्ञान का नियमित तौर पर परीक्षण करें।

अपने स्वास्थ्य पर नजर रखें

काम ही काम, न कोई मोद न आराम, फिर कैसे चमके चिपटू राम। यह एक पुरानी कहावत हो सकती है लेकिन आज भी यह कहावत काम लायक है। उत्कृष्टता हासिल करने के प्रयास में, आपको अपने स्वास्थ्य की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। आप ऐसा कठोर शेड्यूल नहीं बनाए कि आपका स्वास्थ्य ही प्रभावित होने लगे। रोजाना समुचित व्यायाम करें, स्वास्थवर्द्धक आहार लें और छोटा ब्रेक लें।

ओलंपियाड के लिए त्वरित टिप्स और ट्रिक्स

सीखने के लिए सबसे बढ़िया दृष्टिकोण अपनाएं। निर्धारित पुस्तकों को पढ़े तथा चरणबद्ध तरीके से सभी क्षेत्रों में अच्छी तरह से महारत हासिल करें। ओलंपियाड पर ऑनलाइन मंच / चैट पर बहुत अधिक समय व्यतीत करने से बचें, क्योंकि वे कभी-कभी अप्रासंगिक हो सकते हैं। ओलंपियाड प्रैक्टिस पेपर और ओलंपियाड सैम्पल पेपर के महत्व को कभी भी कम करके नहीं आंके। ये ओलंपियाड तैयारी के लिए अंतिम गाइडपोस्ट हैं। इनका नियमित तौर पर प्रैक्टिस करें तथा हर बार अपने स्कोर में सुधार करने की कोशिश करें। प्रतिशत स्कोर आपको यह पता लगाने में मदद करता है कि आप फोरम में दूसरों की तुलना में कहां खड़े हैं, इसलिए, उन्हें गंभीरता से लें और धीरे-धीरे अपना रास्ता तैयार करें लेकिन निश्चित रूप से सफलता की दिशा में।

परीक्षा पैटर्न - सही परिप्रेक्ष्य में इसे जानें

ओलंपियाड अलग-अगल के बजाय निर्धारित पैटर्न का पालन करता है और इसमें निश्चित संख्या में सवाल होते हैं जैसा कि पहले ही प्रासंगिक वेब साइट / वीडियो सर्कुलर के जरिए घोषित किया जा चुका है। प्रथम स्तर की परीक्षा में आपके प्रदर्शन के आधार पर, आपको रैंक दिया जाता है। यह रैंक निर्धारित करता है कि आप दूसरी स्तर की परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं या नहीं। प्रथम स्तर की परीक्षा में भाग लेने वाले छात्रों के कक्षा बार प्रथम पूर्व निर्धारित प्रतिशत तथा राज्य वार शीर्ष निर्धारित निर्दिष्ट रैंक धारकों को अगले स्तर के लिए अर्हता प्राप्त होती है। परीक्षा पैटर्न के बारे में ज्ञान रखने से आपको सही स्वभाव में मदद मिलेगी। आप सफलता हासिल करेंगे या नहीं, सब कुछ आप पर निर्भर है। इसलिए आप धैर्य रखें और आत्मविश्वास रखें। आप आसानी से सफलता हासिल कर सकेंगे। जब ओलंपियाड में सफलता की बात आती है, तो यह आपको सीखने और अभ्यास के प्रति केंद्रित दृष्टिकोण के साथ अभ्यास और स्मार्ट तरीके से काम करना जरूरी है। जब आप ओलंपियाड के लिए तैयारी कर रहे होते हैं तो खुद को ओवरस्ट्रेस न करें। बस अपने प्रयासों को सही दिशा में रखें और आप सफल होने के लिए निश्चित रहेंगे।

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग करियर को दें रफ्तार

भारतीयों की क्रय शक्ति और गाड़ियों की सेल्स बढ़ने से ऑटोमोबाइल सेक्टर तेजी से उभरती हुई इंडस्ट्री बन गया है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर ऑटो सेक्टर सबसे ज्यादा लोगों को रोजगार देता है। कहते हैं कि किसी भी ऑटो कंपनी में एक जॉब क्रिएट होने का मतलब है, तीन से पांच इनडायरेक्ट जॉब ऑप्शंस का खुलना। जिस तरह से मार्केट में देशी-विदेशी कंपनियों की नई इनोवेटिव कारें लॉन्च हो रही हैं, उसे देखते हुए ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। अगर आपको भी कार का पैशन है। मैकेनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और मैथमेटिक्स में दिलचस्पी है, तो ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के साथ करियर को रफ्तार दे सकते हैं।

अगर आप इनोवेटिव और क्रिएटिव माइंडेड हैं, तो ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग का करियर अपना सकते हैं। इस फील्ड में शानदार पे-पैकेज के अलावा, जॉब की भरपूर संभावनाएं हैं।

एक ऑटोमोबाइल इंजीनियर पर कई प्रकार की जिम्मेदारियां होती हैं। उन्हें कम लागत में बेहतरीन ऑटोमोबाइल डिजाइन करना होता है। इसलिए इंजीनियर्स को सिस्टम और मशीनों से संबंधित रिसर्च और डिजाइनिंग में काफी समय देना पड़ता है। पहले ड्रॉइंग और ब्लूप्रिंट तैयार किया जाता है। इसके बाद इंजीनियर्स उनमें फिजिकल और मैथमेटिकल प्रिंसिपल्स अप्लाई कर उसे डेवलप करते हैं। इस तरह ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स प्लानिंग, रिसर्च वर्क के बाद एक फाइनल प्रोडक्ट तैयार करते हैं, जिसे मैन्युफैक्चरिंग के लिए भेजा जाता है। यहां भी उन्हें पूरी निगरानी रखनी होती है। व्हीकल बनने के बाद उसकी टेस्टिंग करना इनकी ही जवाबदेही होती है, जिससे कि मार्केट से कोई शिकायत न आए।

स्पेशलाइजेशन फायदेमंद

अगर कोई ऑटोमोबाइल इंजीनियर किसी खास एरिया में स्पेशलाइजेशन करता है, तो इससे उन्हें काफी फायदा होता है। मार्केट में उनकी एक अलग पहचान बनती है, जैसे-ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स एग्जॉस्ट सिस्टम, इंजन और स्ट्रक्चरल डिजाइन में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं।

बेसिक स्किल्स

ऑटोमोबाइल इंजीनियर बनने के लिए आपके पास टेक्निकल के साथ-साथ फाइनेंशियल नॉलेज होना भी जरूरी है। आपको जॉब के कानूनी पहलुओं से अपडेट रहना होगा। इसके अलावा, इनोवेटिव सोच और स्ट्रॉन्ग कम्युनिकेशन स्किल आगे बढ़ने में मदद करेंगे। इस फील्ड में ड्यूटी ऑवर्स काफी लंबे होते हैं। इसलिए आपको प्रेशर और डेडलाइंस के तहत काम करना आना चाहिए।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

केमिस्ट्री, मैथ्स, फिजिक्स में दिलचस्पी रखने वाले युवा ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में करियर बना सकते हैं। इसके लिए 10वीं के बाद डिप्लोमा भी किया जा सकता है या फिर आप ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। हां, बीई या बीटेक करने के लिए आपका मैथ्स, फिजिक्स, केमिस्ट्री, कंप्यूटर साइंस जैसे सब्जेक्ट्स के साथ 12वीं होना जरूरी है। आप ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में स्नातक के बाद ऑटोमोटिव्स या ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग में एमई या एमटेक भी कर सकते हैं। अगर विशेषज्ञता हासिल करनी हो, तो पीएचडी भी की जा सकती है। बीई या बीटेक में एंट्री के लिए आईआईटी, जेइइ, एआईईईई, बिटसेट आदि अखिल भारतीय या राज्य स्तर की प्रवेश परीक्षाएं देनी होती हैं।

नौकरी की संभावनाएं

ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में विभिन्न प्रकार की संभावनाएं मौजूद हैं। कार बनाने वाली कंपनी से लेकर सर्विस स्टेशन, इंश्योरेंस कंपनीज, ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन में ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स के लिए काफी मौके हैं। इसके अलावा, जिस तरह से सड़कों पर गाड़ियों की संख्या बढ़ रही है, उनकी मेंटिनेंस और सर्विसिंग करने वाले प्रोफेशनल्स की मांग में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। आप ऑटोमोबाइल टेक्निशियन, कार या बाइक मैकेनिक्स, डीजल मैकेनिक्स के रूप में काम कर सकते हैं। आप किसी ऑटो कंपनी में सेल्स मैनेजर, ऑटोमोबाइल डिजाइंस पेन्ट स्पेशलिस्ट भी बन सकते हैं।

सैलरी पैकेज

एक ग्रेजुएट ऑटोमोबाइल इंजीनियर ट्रेनिंग के समय से ही कमाना शुरू कर देता है। कहने का मतलब यह कि ट्रेनिंग के दौरान कंपनियां उन्हें 15 से 30 हजार रुपये तक का स्टाइपेंड आसानी से दे देती हैं। अगर नौकरी कंफर्म हो गई, तो सैलरी खुद-ब-खुद बढ़ जाती है। वैसे, इंडिया में एक ऑटोमोबाइल इंजीनियर को सालाना 3 से 8 लाख रुपये मिल जाते हैं। सबसे ज्यादा सैलरी व्हीकल मैन्युफैक्चरर देते हैं। इसके बाद प्रोडक्ट डेवलपमेंट और इंजीनियरिंग फर्म्स भी उन्हें अच्छा पे-पैकेज ऑफर करती हैं।

सरसों का तेल और चावल हुआ महंगा

टमाटर समेत कई सब्जियों के दाम भी बढ़े, मॉनसून ने बिगाड़ दिया घर का बजट

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में लोगों को एक बार फिर महंगाई की मार झेलनी पड़ सकती है। क्योंकि, सरसों के तेल में प्रति लीटर 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा चावल के दाम भी बढ़े हैं।

जानकारी के मुताबिक, इस साल लगभग 111 लाख टन सरसों की फसल होने का अनुमान था, लेकिन अब तक करीब 95 लाख टन ही मार्केट में सप्लाई आई है। तेल के थोक कारोबारी हेमंत गुप्ता बताते हैं कि बीते एक महीने में सरसों के तेल में लगभग 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

क्यों महंगा हुआ तेल?- इसके पीछे कई कारण हैं। एक तो जून के महीने में सरसों के तेल की डिमांड बढ़ जाती है। जिसकी वजह से दाम में बढ़ोतरी होती है। इसके अलावा कई किसानों ने अभी फसल को मार्केट में नहीं उतारा है। जिससे इसकी कमी बनी हुई है। जिससे सरसों के तेल के दाम में उछाल आया है।

चावल कारोबारी सचिन शर्मा बताते हैं कि इन दिनों ईरान में चावल की सप्लाई प्रभावित है। लेकिन देश में घरेलू चावल की डिमांड कुछ तेज हुई है। जिससे चावल कारोबारियों को थोड़ी राहत मिली है।

बारिश से महंगी हुई सब्जियां

राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश के कारण घर का बजट और बिगड़ गया है। बारिश के चलते सब्जियों के दाम में तेजी आई है। दिल्ली-एनसीआर में टमाटर और हरी सब्जियों की कीमत आसमान पर पहुंच गई है।

टमाटर की कीमत 15 रुपये से बढ़कर 50 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। वहीं शिमला मिर्च 80 किलो तक बिक रही है। बैंगन का भाव 80 रुपये प्रति किलो और भिंडी भी 80 रुपये किलो तक पहुंच गई है। हालांकि अलग-अलग मार्केट के अनुसार सब्जियों की कीमत अलग-अलग हो सकती है।

फसल को पहुंचा नुकसान

सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक बारिश के कारण सब्जियों की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे सब्जियों के प्रोडक्शन में काफी कमी आई है। यही कारण है सब्जियों की बाजार में आवक काफी कम है और इनके दाम में तेजी आ रही है।

आईपीओ से पहले ब्रिगेड होटल वेंचर्स को सफलता, 1.4 करोड़ शेयर बेचकर जुटाई बड़ी रकम

नईदिल्ली, एजेंसी। ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले बड़ी सफलता मिली है। दरअसल, कंपनी ने 360 वन अल्टरनेटिव्स एसेट मैनेजमेंट को शेयर बेचकर 126 करोड़ रुपये जुटाए हैं। ब्रिगेड होटल वेंचर्स बेंगलुरु स्थित रियल एस्टेट कंपनी ब्रिगेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी है। बता दें कि ब्रिगेड होटल वेंचर्स ने 360 वन अल्टरनेट्स एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड (360 वन) को 90 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1.4 करोड़ शेयर जारी किए। यह लेनदेन कंपनी की पूर्व-प्रस्ताव शेयर पूंजी का 4.74 प्रतिशत है।

900 करोड़ रुपये तक के नए शेयर- दस्तावेज के अनुसार, कंपनी के आईपीओ में 900 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इससे हासिल राशि में से कंपनी करीब 480 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और 107 करोड़ रुपये जमीन खरीदने में करेगी। शेष राशि का इस्तेमाल अन्य कार्यों के लिए रखा जाएगा। जेएम फाइनेंशियल और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया है। ब्रिगेड होटल वेंचर्स दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों में होटलों का स्वामित्व और डेवलप करता है। 2004 में हॉस्पिटैलिटी में प्रवेश करने के बाद से यह बेंगलुरु, चेन्नई, कोच्चि, मैसूर सिटी में नौ ऑपरेटिंग होटलों का प्रबंधन करने के लिए विकसित हुआ है, जो कुल 1,604 प्रमुख होटलों का प्रबंधन करता है। ये संपत्तियां मैरियट और इंटरकॉन्टिनेंटल होटल समूह जैसे प्रसिद्ध वैश्विक हॉस्पिटैलिटी ब्रांडों के तहत संचालित की जाती हैं। दक्षिण भारत में दूसरे सबसे बड़े निजी होटल परिसंपत्ति के मालिक के रूप में, ब्रिगेड होटल वेंचर्स अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करना जारी रखता है।

उपभोक्ताओं को रिफंडः ई-कॉमर्स कंपनियों और खुदरा विक्रेताओं ने लौटाए 7.14 करोड़ रुपये

नईदिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) की मदद से पिछले दो महीनों में ई-कॉमर्स कंपनियों और अन्य खुदरा विक्रेताओं से 7.14 करोड़ का रिफंड मिला है। इस हेल्पलाइन के जरिये रिफंड दावों से जुड़ी 15,426 उपभोक्ता शिकायतों का समाधान किया गया। उपभोक्ताओं की शिकायतें 30 क्षेत्रों से संबंधित थीं।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने शुक्रवार को बताया, कुल 15,426 शिकायतों में से सबसे ज्यादा 8,919 ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ आईइनका निपटान किया गया। रिफंड में भी यह क्षेत्र सबसे आगे रहा और उपभोक्ताओं को 3.69 करोड़ रुपये का रिफंड दिलाया गया।विभाग ने कहा, 25 अप्रैल से 30 जून के बीच उपभोक्ताओं को कुल 7.14 करोड़ रुपये का रिफंड दिलाना हेल्पलाइन की प्रतिबद्धता, जवाबदेही और बेहतर कार्यप्रणाली को दर्शाती है।

17 भाषाओं में दर्ज करा सकते हैं शिकायत- उपभोक्ता इस हेल्पलाइन पर एक टोल-फ्री नंबर 1915 के जरिये 17 भाषाओं में अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

पीयूष गोयल बोले- 153 देश भारत से खिलौना आयात कर रहे, सरकार क्षेत्र के लिए एक और योजना लाने की तैयारी में

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का खिलौना उद्योग, जो पहले दूसरे देशों से आयात पर निर्भर था, अब घरेलू स्तर पर विनिर्माण कर रहा है और 153 देशों को निर्यात कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज दिल्ली में 16वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह बदलाव लगातार नीतिगत समर्थन, गुणवत्ता मानकों के प्रवर्तन और स्थानीय विनिर्माण समूहों को मजबूत करने से संभव हुआ है।

मंत्री गोयल ने बताया कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) से भारत में अच्छी गुणवत्ता वाले खिलौने बनने लगे हैं और हमारे खिलौने अब अंतरराष्ट्रीय स्तर के बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की 1.4 बिलियन की आबादी एक बड़ा कैप्टिव मार्केट प्रदान करती है, जो विनिर्माण को बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक लाभ प्रदान करती है। इस पैमाने के साथ, उद्योग लागत दक्षता प्राप्त कर सकता है और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बन सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ा घरेलू बाजार न केवल विस्तार का समर्थन करता है, बल्कि इसके लिए आधार का काम भी करता है।

पीयूष गोयल ने कहा कि अगर भारतीय कंपनियां अच्छी ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग और मजबूत डिजाइन पर ध्यान दें, तो भारतीय खिलौने विदेशों में और ज्यादा पसंद किए जाएंगे।

खिलौना उद्योग की तरक्की देश के विकास की मिसाल- गोयल ने बताया कि खिलौना उद्योग की यह तरक्की देश के विकास की एक मिसाल है। उन्होंने याद दिलाया कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने वोकल फॉर लोकल अभियान शुरू किया था, तो कुछ लोगों को शक था कि भारतीय चीजें विदेशी सामान का मुकाबला नहीं कर पाएंगी। लेकिन आज आत्मनिर्भर भारत के सपने के साथ, देश में बने खिलौनों को ज्यादा पसंद किया जा रहा है।

94 करोड़ लोगों को मिल रहा सामाजिक सुरक्षा योजना लाभ, अंत्योदय-समावेशी विकास नीति से सशक्त हो रहा देश

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में बीते एक दशक में जो बदलाव आया है उसे अब लगातार अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिल रही है। बीते दिनों अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा जारी किए गए आंकड़े इस बदलाव की पुष्टि करते हैं। 2015 में जहां भारत की महज 19 फीसदी जनसंख्या को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में माना जाता था, वहीं 2025 तक यह आंकड़ा बढ़कर 64.3 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यानी, 94 करोड़ भारतीय अब कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना से लाभान्वित हो रहे हैं।

यह न केवल भारत के लिए बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी एकउल्लेखनीय उपलब्धि है। भारत में सामाजिक सुरक्षा का विस्तार सिर्फ संख्या की वृद्धि नहीं है बल्कि नीतियों के दृष्टिकोण में एक गहरा बदलाव भी दर्शाता है। पहले जहां यह कल्याण योजनाएं केवल दिखावटी या चुनावी भाषणों तक सीमित थीं वहीं अब उन्हें डेटा आधारित, कानूनी रूप से समर्थित और संस्थागत रूप से प्रमाणित ढांचे में समाहित किया गया है। इस बदलाव से गांव-गरीब का भी 'सिस्टम' के प्रति भरोसा जाग रहा है।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की संकल्पना पर आधारित योजनाओं से बीते 10 वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि कल्याण सिर्फ अब सरकारी जुमला नहीं है बल्कि शासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सरकार की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उसने कल्याणकारी योजनाओं को 'डिजिटल ट्रांसफर आधारित न्याय' में बदला। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजे गए।

रिलायंस, अडानी और टाटा.... इन शेयरों को ट्रेडिंग फर्म ने बनाया था निशाना

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिका के ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट ग्रुप की चार इकाइयों को भारतीय सिक्योरिटी मार्केट में एंट्री करने से प्रतिबंधित कर दिया है। इन पर डेरिवेटिव सेगमेंट में धोखाधड़ी और हेरफेर का आरोप है। सेबी ने अपने 105 पन्नों के अंतरिम आदेश में जेन स्ट्रीट से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं। आदेश में यह भी बताया गया है कि जेन स्ट्रीट ग्रुप ने प्रमुख बैंक निफ्टी और निफ्टी 50 के शेयरों की खरीद और बिक्री के माध्यम से इंडेक्स स्तरों में कैसे हेरफेर कर बंपर कमाई की। सेबी ने 18 ट्रेडिंग सेशन की पहचान की है। इसमें से 15 में बैंक निफ्टी और तीन में निफ्टी 50 शामिल हैं।

बैंक निफ्टी में कौन-कौन से बैंक शामिल- जेन स्ट्रीट के कथित हेरफेर में मुख्य रूप से बैंक निफ्टी शामिल है। बैंक निफ्टी की बात करें तो इसमें एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, फेडरल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), केनरा बैंक और बंधन बैंक शामिल थे।

अडानी बदलेंगे 3 के शेयर वाली कंपनी की किस्मत ! अधिग्रहण की रेस में सबसे आगे

नईदिल्ली, एजेंसी। अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाला अडानी समूह जयप्रकाश एसोसिएट्स के अधिग्रहण की रेस में सबसे आगे है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अडानी ने जयप्रकाश एसोसिएट्स के अधिग्रहण की दौड़ में सबसे अधिक बोली लगाई है। अडानी समूह की बोली 12,500 करोड़ रुपये है। शेयर बाजार में इस कंपनी के शेयर की कीमत 3 रुपये है। बता दें कि लंबे समय से शेयर की ट्रेडिंग बंद है।

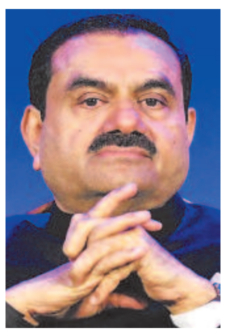

ये कंपनियां भी रेस में- अडानी समूह के अलावा जयप्रकाश एसोसिएट्स के लिए संभावित खरीदारों की सूची में अनिल अग्रवाल की वेदांता, जेएसपीएल (नवीन जिंदल), डालमिया भारत सीमेंट और पीएनसी इंफ्राटेक भी शामिल हैं।

दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही कंपनी- वित्तीय रूप से संकटग्रस्त इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट फर्म जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है। इस कंपनी को तीन जून, 2024 के राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की इलाहाबाद पीठ के आदेश के माध्यम से कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में स्वीकृत किया गया था।

जयप्रकाश एसोसिएट्स का साम्राज्य

जयप्रकाश एसोसिएट्स के पास प्रमुख रियल एस्टेट परियोजनाएं हैं। इनमें ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रीन्स, नोएडा में जेपी ग्रीन्स विशटाउन का एक हिस्सा (दोनों राष्ट्रीय राजधानी के बाहरी इलाके में), और जेपी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स सिटी, जो आगामी जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट रणनीतिक रूप से स्थित है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर में इसके तीन कॉमर्शियल/औद्योगिक कार्यालय भी हैं, जबकि इसके होटल खंड की दिल्ली-एनसीआर, मसूरी और आगरा में पांच संपत्तियां हैं। जयप्रकाश एसोसिएट्स के पास मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में चार सीमेंट कारखाने हैं और मध्यप्रदेश में कुछ पट्टे पर ली गई चूना पत्थर की खदानें हैं। हालांकि, सीमेंट कारखाने परिचालन में नहीं हैं।

आधा हुआ टोल टैक्स ! सरकार ने दी नेशनल हाईवे पर गाड़ी चलाने वालों को राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने नेशनल हाईवे पर टोल टैक्स कम कर दिया है। यह कमी उन रास्तों पर हुई है जहां सुरंग, पुल या फ्लाईओवर हैं। सरकार ने टोल की दरों को 50 प्रतिशत तक घटा दिया है। इससे गाड़ी चलाने वालों का खर्च कम होगा। अभी तक एनएच शुल्क नियम, 2008 के हिसाब से टोल टैक्स लिया जाता था। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2008 के नियमों में बदलाव किया है। अब टोल टैक्स की गणना के लिए एक नया तरीका अपनाया जाएगा।

मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें कहा गया है कि नेशनल हाईवे के किसी हिस्से पर बने स्ट्रक्चर (पुल, सुरंग, फ्लाईओवर या एलिवेटेड हाईवे) के इस्तेमाल की दर की गणना इस तरह की जाएगी- स्ट्रक्चर की लंबाई को दस गुना करके, नेशनल हाईवे के उस हिस्से की लंबाई में जोड़ा जाएगा जिसमें स्ट्रक्चर नहीं है। या फिर नेशनल हाईवे के उस हिस्से की कुल लंबाई को पांच गुना किया जाएगा। दोनों में से जो भी कम होगा, उसे माना जाएगा। इसका मतलब है कि पुल, सुरंग या फ्लाईओवर की वजह से लगने वाले टोल को कम किया जाएगा।

मंत्रालय ने उदाहरण देकर समझाया

एक उदाहरण में मंत्रालय ने बताया कि अगर नेशनल हाईवे का कोई हिस्सा 40 किलोमीटर का है। और इसमें सिर्फ स्ट्रक्चर ही है तो कम से कम लंबाई की गणना इस तरह होगी- 10 × 40 (स्ट्रक्चर की लंबाई का दस गुना) = 400 किलोमीटर या नेशनल हाईवे के हिस्से की कुल लंबाई का पांच गुना = 5 × 40 = 200 किलोमीटर।

कितने पर लगेगा टैक्स?- मंत्रालय ने आगे कहा कि टोल टैक्स कम लंबाई पर लगेगा, यानी 200 किलोमीटर पर। 400 किलोमीटर पर नहीं। इस मामले में यूजर चार्ज सड़क की लंबाई के सिर्फ आधे (50 प्रतिशत) पर ही लगेगा। इसका मतलब है कि अगर आप किसी ऐसे रास्ते से जा रहे हैं जिसमें पुल या सुरंग है, तो आपको पहले के मुकाबले कम टोल देना होगा।

अभी टैक्स देने का क्या है नियम?- अभी के नियमों के अनुसार, नेशनल हाईवे पर बने हर किलोमीटर के स्ट्रक्चर के लिए यूजर्स को दस गुना ज्यादा टोल देना पड़ता है। यानी, अगर किसी रास्ते पर एक किलोमीटर का पुल है।

समस्या का खोजा ऐसा समाधान, सिर्फ 8000 रुपये से खड़ा कर दिया करोड़ों का साम्राज्य

नईदिल्ली, एजेंसी। कोयंबटूर की रहने वाली कृतिका कुमारन ने जबरदस्त कामयाबी हासिल की है। हाउसवाइफ से बिजनेसवुमन बनने तक का उनका सफर प्रेरणा देने वाला है। उन्होंने बेटी की त्वचा की समस्या के समाधान के लिए घरेलू साबुन बनाना शुरू किया। धीरे-धीरे यह काम एक बड़े बिजनेस में बदल गया। 2017 में शुरू हुआ यह बिजनेस आज करोड़ों रुपये का टर्नओवर कर रहा है। कृतिका ने यह सब सिर्फ 8,000-10,000 रुपये के छोटे से निवेश से शुरू किया था। उन्होंने विल्वह नाम से नैचुरल, ऑर्गेनिक और टिकाऊ पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की पूरी रेंज बनाई। आइए, यहां कृतिका कुमारन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे तैयार हुआ रास्ता- कोयंबटूर की कृतिका कुमारन ने अपनी बेटी की गंभीर एक्जिमा की समस्या के समाधान के लिए घर पर ही प्राकृतिक साबुन बनाना शुरू किया। यह ऐसा कदम था जिसकी प्रेरणा उन्हें अपने परिवार से ही मिली। कृतिका की मां कई दशकों तक गंभीर त्वचा समस्याओं से जूझती रहीं, जिसके लिए उन्हें कई दवाएं लेनी पड़ीं।

अपनी मां की त्वचा की समस्याओं को देखकर कृतिका प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्पों की तलाश करने लगीं। बाद में यही तरीके अपनाकर उन्होंने अपनी बेटी की समस्या को दूर किया। तमिलनाडु के गोबिचेट्टीपलायम के एक कृषि प्रधान शहर में पली-बढ़ीं कृतिका ने इंजीनियरिंग की है। उन्होंने यू ट्यूब वीडियो देखकर और कॉस्मेटोलॉजी में डिप्लोमा करके अपने ज्ञान को बढ़ाया। 2017 में उन्होंने बकरी के दूध, जैतून के तेल और अरंडी के तेल जैसी प्राकृतिक सामग्रियों का इस्तेमाल करके साबुन बनाना शुरू किया। उनके पहले बकरी के दूध के साबुन ने उनकी बेटी की त्वचा पर चमत्कारी प्रभाव दिखाया। इससे घर के बने उत्पादों पर उनका विश्वास बढ़ गया।

मामूली पूंजी से काम किया शुरू- उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता से उत्साहित होकर कृतिका ने मार्च 2017 में अपने घर की रसोई से विल्वह ब्रांड की शुरुआत की। यह नाम पवित्र बिल्वम पत्ती से लिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया, विशेष रूप से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अपने उत्पादों का प्रचार किया। जल्द ही उन्हें कोयंबटूर और तमिलनाडु के अन्य हिस्सों से ऑर्डर मिलने लगे। शुरुआत में केवल 8,000-10,000 रुपये के छोटे से निवेश के साथ कृतिका ने क्लासिक बकरी के दूध के साबुन, चारकोल साबुन और गुलाब साबुन जैसे विभिन्न उत्पाद बनाने शुरू किए। इनमें बकरी का दूध मुख्य सामग्री बनी रही।

बढ़ने लगा बिजनेस

जैसे-जैसे मांग बढ़ी, विल्वह का विस्तार हुआ। कृतिका ने अमेजन, फ्लिपकार्ट और नायका जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पादों को लिस्ट करके अपनी पहुंच बढ़ाई। पांच महीने के भीतर उन्होंने अपने घर के पीछे 1,000 वर्ग फीट की एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की। इसमें मशीनरी पर लगभग 10 लाख रुपये का निवेश किया। 2020 में विल्वह को एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में रजिस्टर किया गया। कृतिका के पति तमिल कुमारन भी बाद में व्यवसाय में शामिल हो गए। पहले वह अपने परिवार के टेक्सटाइल व्यवसाय में थे। उन्होंने एमबीए किया हुआ है। वह विल्वह में फाइनेंस और व्यवसाय प्रबंधन को संभालते हैं। जबकि कृतिका प्रोडक्शन को देखती हैं।

अब करोड़ों का टर्नओवर

विल्वह ने अपने पहले साल में ही 1 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल किया था। तब से यह ब्रांड लगातार बढ़ रहा है। साल 2023 में यह टर्नओवर 29 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ब्रांड अब लगभग 70 अलग-अलग स्किनकेयर और हेयर केयर उत्पाद बेचता है। साथ ही लगभग 100 लोगों को रोजगार देता है। चेन्नई और कोयंबटूर में अपने खुद के फिजिकल स्टोर खोलने के साथ विल्वह की 50 प्रतिशत बिक्री सीधे उसकी वेबसाइट, 20 प्रतिशत स्टोर्स से और 30 प्रतिशत ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से होती है। कृतिका विशेष रूप से अपने मिल्क रेंज प्रोडक्टों पर जोर देती हैं। इनमें मिल्क क्रीम, ब्राइटनिंग सीरम और गोट मिल्क शैम्पू शामिल हैं। उनका उद्देश्य बाजार में अन्य ब्रांडों से इन्हें अलग करना है। कृतिका ने दिखाया है कि दृढ़ संकल्प और जुनून के साथ कुछ भी करना संभव है।

जेन स्ट्रीट मामलाः बैन के बाद भी खत्म नहीं हुई जांच, सेबी की पैनी नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की जेन स्ट्रीट मामले में जांच अंतरिम आदेश के बाद भी जारी रहेगी। न्यूज एजेंसी पीटीआई सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेबी ने अभी तक बैंक निफ्टी के प्रथम दृष्टया 18 दिनों और निफ्टी सूचकांक में 'एक्सपायरी' के दिनों में तीन दिनों की हेरफेर की ही जांच की है। सूत्रों ने कहा कि जांच अन्य एक्सपायरी दिनों, बाजारों पर डील सहित सूचकांकों, संभावित रुझानों पर केंद्रित होगी। हालांकि यह नहीं बताया कि जांच में कितना समय लगेगा, और कहा कि जांच का दायरा काफी बड़ा है।

सेबी ने लगाया है प्रतिबंध

बाजार नियामक ने आदेश में न्यूयॉर्क स्थित हेज फंड जेन स्ट्रीट को कैश और फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग में दांव लगाकर सूचकांकों में हेरफेर करने का दोषी पाया है, ताकि अच्छा मुनाफा कमाया जा सके। सेबी ने हेज फंड को बाजार तक पहुंचने से निलंबित कर दिया है और 4,843 करोड़ रुपये से अधिक के लाभ को जब्त कर लिया है। जांच में पाया गया कि जनवरी 2023-मई 2025 की जांच अवधि के दौरान जेएस ने नेट बेस पर 36,671 करोड़ रुपये का लाभ कमाया।

प्रतिक्रिया से बचने पर जोर

सेबी के सूत्रों ने ऐसी प्रतिक्रिया से बचने पर जोर दिया, जहां खुलासे से अधिक विनियमन हो और इसके बजाय उसने बेहतर प्रवर्तन की वकालत की। उन्होंने कहा, मौजूदा विनियमों का बेहतर प्रवर्तन वास्तव में इष्टतम विनियमन का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। दूसरी ओर, अधिक विनियमन खराब प्रवर्तन की भरपाई नहीं कर सकते। सूत्रों ने कहा कि नियामक निवेशक सुरक्षा, बाजार स्थिरता और निरंतर पूंजी निर्माण के लिए समर्थन सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से वायदा और विकल्प क्षेत्र की निगरानी करना जारी रखेगा।

उन्होंने कहा कि खुदरा निवेशकों को होने वाले अधिक नुकसान की ओर इशारा करने वाले अध्ययनों के बाद फ्यूचर-ऑप्शन सेगमेंट पर सेबी की कार्रवाई ने डील खत्म होने के दिनों में खुदरा गतिविधि को कुछ हद तक कम कर दिया है।

यशस्वी ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास, सचिन और विराट को छोड़ दिया पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के ओपनिंग बैट्समैन यशस्वी जायसवाल ने एजबेस्टन टेस्ट के दौरान एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. इस दौरान उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की बराबरी कर ली है, जबकि मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया. यशस्वी जायसवाल ने ये मुकाम एजबेस्टन टेस्ट के दूसरी पारी के दौरान हासिल किया. जायसवाल टेस्ट क्रिकेट में ये मुकाम हासिल करने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय बल्लेबाज हैं. लीड्स टेस्ट मैच में शानदार शतक लगाने वाले यशस्वी दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में कुछ खास नहीं कर पाए, लेकिन एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया.

यशस्वी ने कौन सा रिकॉर्ड बनाया?

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम पारियों में संयुक्त रूप से सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. इस दौरान उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग की बराबरी कर ली है. जायसवाल ने ये उपलब्धि एजबेस्टन टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 10वां रन बनाने के दौरान किया. हालांकि वो अपनी पारी को लंबी नहीं कर पाए और 22 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हो गए. यशस्वी ने पहली पारी में 87 रनों की शानदार पारी खेली थी.

जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट की 40वीं पारी में 2000 रन पूरे किए. इससे पहले राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग ने भी इतनी ही पारियों में 2000 रन पूरे किए थे. द्रविड़ ने साल 1999 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैमिल्टन में और वीरेंद्र सहवाग ने साल 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में यह उपलब्धि हासिल की थी.

21वें टेस्ट मैच में हासिल की उपलब्धि

जायसवाल ने 21 टेस्ट मैचों की 40 पारियों में 53.10 की औसत से 2018 रन बनाए हैं. इसमें 5 शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं. इस मामले में उन्होंने पूर्व भारतीय बल्लेबाज विजय हजारे और टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को पीछे छोड़ दिया. विजय हजारे और गौतम गंभीर ने 43 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे. दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली इस लिस्ट में किसी के आसपास भी नहीं हैं. उन्होंने 53 पारियों में दो हजार रन पूरे किए थे.

इसके अलावा यशस्वी जायसवाल ने सबसे कम एज में दो हजार रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने 23 साल 188 दिन की एज में यह उपलब्धि हासिल की. इस मामले में सचिन तेंदुलकर उनसे आगे हैं. सचिन ने 20 साल 330 दिन में टेस्ट क्रिकेट में दो हजार रन पूरे किए थे.

इंडिया-इंग्लैंड: इंग्लैंड ने भारत को 05 रन से हराया

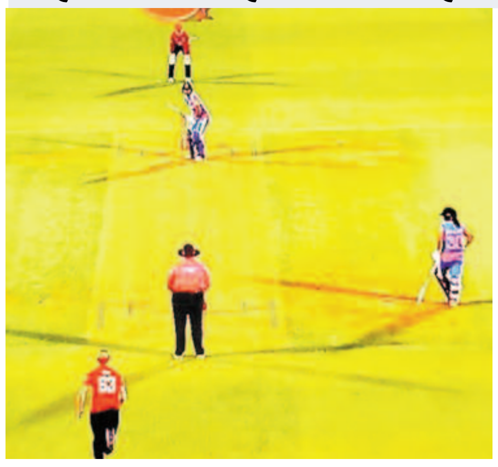

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की महिला टी20 टीम ने 5 मैच की सीरीज के तीसरे मुकाबले में हरमनप्रीत की अगुआई वाली भारतीय टीम को 5 रन के करीबी अंतर से हरा दिया। भारत को जीत के लिए अंतिम गेंद पर 6 रन की जरूरत थी। हरमनप्रीत कौर (23) ने छक्का लगाने की पूरी कोशिश की, लेकिन बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में लॉरेन बेल का शिकार हो गईं और भारत इतिहास रचने से चूक गया। भारत ने सीरीज के शुरुआती दोनों मैच अपने नाम किये थे। भारतीय टीम यदि तीसरा मैच भी जीत लेती तो 19 साल में पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ लगातार 3 टी20 मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाती। पहली बार 2 या उससे ज्यादा मैच की सीरीज भी अपने नाम कर लेती। अब उसे सीरीज जीतने के लिए कम से कम अगले मैच तक इंतजार करना होगा। भारत बनाम इंग्लैंड चौथा टी20 इंटरनेशनल मैच 9 जुलाई को मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से खेला जाएगा।

भारत को तीसरा टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने के लिए 172 रन का लक्ष्य मिला था। स्मृति मंधाना जब तक क्रीज पर मौजूद थीं तब तक उसके जीतने की 100 फीसदी संभावना लग रही थी। स्मृति मंधाना 16वें ओवर की तीसरी गेंद पर जब पवेलियन लौटीं तब टीम का स्कोर 3 विकेट पर 131 रन था। हालांकि, इसके बाद भारत अगली 27 गेंद में 41 रन नहीं बना पाया।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप

पाल्मेरास को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा चेल्सी

फिलाडेल्फिया, एजेंसी। अगस्टिन जियाय के अंतिम क्षणों में किए गए आत्मघाती गोल की बदौलत चेल्सी ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में पाल्मेरास पर 2-1 से जीत हासिल की। यह मुकाबला फिलाडेल्फिया के लिंकन फाइनेंशियल फील्ड पर खेला गया। इसी के साथ चेल्सी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। कोल पाल्मर ने पहले हाफ में चेल्सी के लिए गोल किया, जिससे ब्लूज को न्यूयॉर्क में ब्राजील की टीम फ्लूमिनेंस के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाने में मदद मिली। ब्रेक के बाद पाल्मेरास ने जोरदार वापसी की, जब युवा फुटबॉलर एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में एक शानदार गोल दागते हुए टीम को बराबरी पर ला दिया, लेकिन मुकाबले के 83वें मिनट में अगस्टिन जियाय के आत्मघाती गोल के चलते पाल्मेरास ने मुकाबला 1-2 से गंवा दिया। चेल्सी के मैनेजर एन्जो मारेस्का ने कहा, जैसा कि हमने उम्मीद की थी, यह एक मुश्किल मुकाबला था। मुझे लगता है कि दूसरे हाफ की तुलना में हम पहले हाफ में थोड़े बेहतर थे। हमने मुकाबले को बेहतर तरीके से कंट्रोल किया। मुझे लगता है कि हम जीत के हकदार थे। खिलाड़ियों को बधाई, क्योंकि उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया हैं। मारेस्का ने आगे कहा, मैं खुश हूं क्योंकि हम जीत गए, खुश हूं क्योंकि उन्होंने गोल किया, इसलिए यह एक शानदार रात है। वहीं, दूसरी ओर फीफा क्लब विश्व कप 2025 में अपने शानदार अभियान को जारी रखते हुए फ्लूमिनेंसे ने अल हिलाल को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया है।

कनाडा ओपन

चोउ तिएन चेन को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे श्रीकांत

कैलगरी, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर किदांबी श्रीकांत कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने शनिवार को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सीधे गेम में 21-18, 21-9 से हराया। श्रीकांत ने चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 43 मिनट तक चले इस मुकाबले में शिकस्त देकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया था।वर्तमान में विश्व में 49वें स्थान पर काबिज श्रीकांत अब फाइनल में जगह बनाने के लिए जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। श्रीकांत के पास 30 वर्षीय केंटा निशिमोटो के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 6-4 की बढ़त है। भारतीय खिलाड़ी ने पिछली विश्व चैंपियनशिप में जापानी शटलर को सीधे गेम में हराया था। इसके बावजूद निशिमोटो अन्य भारतीय खिलाड़ियों के लिए चुनौतियां पेश करते रहे हैं। अपने कोर्ट कवरेज के लिए पहचाने जाने वाले निशिमोटो इस सीजन में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। निशिमोटो ने भारत के शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-15, 5-21, 21-17 से कड़ी टक्कर देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

आईओसी की वजह से एशिया कप हॉकी के लिए भारत आ रही पाकिस्तान टीम

मुंबई, एजेंसी। बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप हॉकी के लिए पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम को भाग लेने की अनुमति देने के मुद्दे पर भारत सरकार मुश्किल में है। कई मौजूदा और पूर्व खेल प्रशासकों ने सरकार से अपने फैसले को वापस लेने और पाकिस्तान की टीम को भारत आने के लिए वीजा देने से इनकार करने का आग्रह किया है। किसी भी देश को राजनीतिक कारणों से किसी टूर्नामेंट का हिस्सा न बनाना ओलंपिक चार्टर के खिलाफ है। यह एक बड़ा कारण है कि भारत सरकार पाकिस्तान को एशिया कप हॉकी के लिए आने देना चाहती है। दरअसल, भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी चाहता है। अगर पाकिस्तान को अभी एशिया कप में भाग लेने से मना किया जाएगा, तो अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी के सामने नकारात्मक संदेश जाएगा। वहीं, अगर पाकिस्तान भारत आता है, तो 2036 ओलंपिक की दावेदारी करते समय भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को मुश्किल नहीं आएगी।

पाकिस्तान टीम को एशिया कप हॉकी के लिए भारत आने देने का विरोध करने वाले शायद यह भूल रहे हैं कि आईओसी ने 2019 में अंतरराष्ट्रीय महासंघों से भारत को मेजबानी का अधिकार न देने पर विचार करने को कहा था, क्योंकि कोसोवो के मुक्केबाजों और पाकिस्तानी निशानेबाजों को भारत में होने वाले आयोजनों में भाग लेने के लिए वीजा देने से इनकार कर दिया गया था।

इसके परिणामस्वरूप आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने विशिष्ट स्पर्धा (पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल) की ओलंपिक योग्यता स्थिति को रद्द कर दिया और अंतरराष्ट्रीय महासंघों से भारत में वैश्विक स्पर्धाओं की मेजबानी पर विचार न करने को कहा।

बर्मिंघम में बरसे शशिकला नेगी के मुक्के, वुशू प्रतियोगिता में कशिश ठाकुर ने जीता रजत

सांगला(उप्र), एजेंसी। किन्नौर की दूनी गांव की एसएसबी में कार्यरत मुक्केबाज शशिकला नेगी ने अमेरिका के बर्मिंघम शहर में अंतरराष्ट्रीय पुलिस खेलों की बॉक्सिंग स्पर्धा में रजत पदक जीता है। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर की दूनी गांव की एसएसबी में कार्यरत मुक्केबाज शशिकला नेगी ने अमेरिका के बर्मिंघम शहर में अंतरराष्ट्रीय पुलिस खेलों की बॉक्सिंग स्पर्धा में रजत पदक जीता है। एसएसबी सीएपीएफ दिल्ली में कार्यरत शशिकला नेगी का विश्व पुलिस खेलों में बॉक्सिंग स्पर्धा के लिए पैरामिल्ट्री फोर्स की ओर से भारतीय महिला टीम में चयन हुआ है। नेगी ने 75 किग्रा में रजत पदक जीता। नेगी ने राष्ट्रीय स्पर्धाओं के अलावा अब तक चार बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक भी जीते हैं। विश्व चैंपियनशिप में बुल्गारिया और सर्बिया में भाग लिया है। इसके अलावा एआईबीए महिला जूनियर और युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2013 में भाग लिया। गोल्डन ग्लब्स मुक्केबाजी प्रतियोगिता 2014 में स्वर्ण पदक, पहली एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2016 में रजत हासिल कर चुकी हैं।

जूनियर वुशू प्रतियोगिता में कशिश ठाकुर ने जीता रजत

24वीं जूनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में प्रदेश के खिलाड़ियों ने जीत के साथ आगाज किया है। दूसरे दिन हिमाचल के आठ खिलाड़ियों जीत दर्ज की है। प्रतियोगिता तेलंगाना के हैदराबाद में चल रही है। प्रदेश वुशू खेल संघ के महासचिव पीएन आजाद ने बताया कि प्रदेश की खिलाड़ी कशिश ठाकुर ने ताईजीशान इवेंट में रजत पदक जीता है। कशिश ठाकुर इससे पहले खेलो इंडिया (महिला) प्रतियोगिता और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अब तक छह रजत मेडल जीत चुकी हैं। लड़कों के वर्ग में अक्षय कुमार ने 65 किलोग्राम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के खिलाड़ी को हराकर जीत दर्ज की है। इसके 56 किलोग्राम भार में अनिल डोगरा ने तेलंगाना को, 70 किलोग्राम भार में पंकज ठाकुर ने पुडुचेरी के खिलाड़ी और 75 किलोग्राम भार की प्रतियोगिता में आर्यन अगले दौर में पहुंच गए हैं। लड़कियों के वर्ग में 45 किलोग्राम भार में शिवाली, सानिया ठाकुर 48 किलोग्राम भार में अगले दौर में पहुंच गई हैं। भूमिका ने 52 किलोग्राम भार की प्रतियोगिता में तेलंगाना, नीलम देवी ने 56 किलोग्राम भार वर्ग की प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल की खिलाड़ी को पराजित किया। संघ के अध्यक्ष शिवपाल मनहास ने प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने और अन्य खिलाड़ियों की जीत पर बधाई दी है।

विश्व मुक्केबाजी कप: नूपुर फाइनल में पहुंची, अविनाश जामवाल भी सेमीफाइनल में

अस्ताना, एजेंसी। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के पदक की संख्या बढ़ गई है। नूपुर (80 किग्रा) फाइनल में पहुंच गईं हैं, जबकि अविनाश जामवाल (65 किग्रा) ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। नूपुर ने सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए तुर्की की सेमा दुस्ताज को 5-0 से हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह पक्की की। इससे पहले दिन में, अविनाश जामवाल ने पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में यूएसए के रेने कैमाचो को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया और अपने लिए पदक पक्का किया। नीरज फोगाट (65 किग्रा) और अनामिका (51 किग्रा) का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। नीरज ने बेहतरीन तरीके से अपना मैच खेला लेकिन विभाजित निर्णय में 3-2 से हार गए। सेमीफाइनल में 10 मुक्केबाजों और फाइनल में एक के साथ भारत का अस्ताना में मजबूत प्रदर्शन रहा है। गुरुवार को हितेश गुलिया और साक्षी ने सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर पोडियम स्थान सुनिश्चित किया।

वर्ष की शुरुआत में ब्राजील चरण के स्वर्ण पदक विजेता हितेश ने पुरुषों के 70 किग्रा क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के अल्माज ओरोजबेकोव पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की, जिससे उनके नाम एक और पदक सुनिश्चित हो गया।

महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में साक्षी ने धैर्यपूर्ण प्रदर्शन करते हुए ब्राजील की तातियाना रेजिना डी जीसस चागास को सर्वसम्मत निर्णय से हराया। भारत ने ब्राजील में पिछले विश्व मुक्केबाजी कप में छह पदक जीते थे। इस साल नवंबर में नई दिल्ली में होने वाले फाइनल के साथ, अस्ताना चरण तैयारियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत ने ब्राजील के फोज डू इगुआकू में 2025 विश्व मुक्केबाजी कप के पहले चरण में एक स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीते थे।

सोशल मीडिया पर की अनाउंसमेंट

अलग हुई 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' फेम चिंकी-मिंकी

कपिल शर्मा के शो से फेमस हुई इन्फलुएंसर जोड़ी चिंकी मिंकी अब टूट चुकी है। दोनों बहनों ने अब फैसला लिया है कि वो अपने प्रोफेशनल करियर में अब अलग-अलग आगे जाएंगी। 'चिंकी मिंकी' के नाम से लोकप्रिय बहनें सुरभि मेहरा और समृद्धि मेहरा ने अपने फैंस को बड़ा झटका दिया है। ये बहनें अब एक साथ नहीं बल्कि अलग-अलग अपनी प्रोफेशनल जर्नी शुरू करने जा रही हैं। इस बात की पुष्टि उन्होंने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर की है, जहां उन्होंने इमोशनल पोस्ट शेयर करते हुए अपने रास्ते अलग करने की जानकारी दी।

दोनों बहनें हुई अलग

करीब 12 मिलियन फॉलोअर्स वाली इस जोड़ी ने अपने कॉमिक टाइमिंग और डायलॉग सिंक से सोशल मीडिया पर एक अलग ही पहचान बनाई थी। लेकिन अब ये फेमस ट्विन्स अपनी जर्नी इंडिविजुअली आगे बढ़ाएंगी। उनके इस फैसले से फैंस हैरान और भावुक नजर आ रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर किया पोस्ट

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में उन्होंने लिखा कि ये फैसला दिल से भारी होकर भी जरूरी था, ताकि दोनों बहनें अपनी व्यक्तिगत क्रिएटिविटी को एक नए रूप में सामने ला सकें। दोनों ने इस बात के संकेत दिए कि ये एक प्रोफेशनल फैसला है और वे व्यक्तिगत रूप से अब भी एक-दूसरे के बेहद करीब हैं।

यूजर्स ने दिए रिएक्शन्स

सुरभि और समृद्धि की इस घोषणा के बाद इंस्टाग्राम की कमेंट सेक्शन में जैसे भावनाओं का सैलाब आ गया। कई फैंस ने इसे मानने से इनकार कर दिया और इसे 'प्रैंक' समझ बैठे। एक यूजर ने लिखा, प्लीज कहो कि ये सिर्फ मजाक है! वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, दिल टूट गया यार, ये जोड़ी हमेशा साथ रहनी चाहिए थी। टीवी और फिल्म जगत से भी इस खबर पर प्रतिक्रियाएं आई हैं। 'मर्दानी 2' फेम अभिनेता विशाल जेठवा ने हार्टब्रेक इमोजी के साथ नो लिखते हुए अपनी नाराजगी और दुख व्यक्त किया।

दिलजीत पर हटा अस्थायी बैन

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन इन दिनों बॉर्डर 2 की शूटिंग में काफी बिजी हैं। इस बीच उन्होंने अपने को-स्टार दिलजीत दोसांझ पर लगे अस्थायी बैन को हटाए जाने के बाद फिल्म के सेट से एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की। वरुण धवन ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। हालांकि इसमें किसी भी एक्टर का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। शेयर की गई तस्वीरों में एक फोटो सुनील शेट्टी के बेटे और एक्टर आहान शेट्टी की है। इसमें वह आर्मी की वर्दी में दिख रहे हैं। फोटो में सिर्फ उनका हाथ नजर आ रहा है। हाथ और वर्दी दोनों मिट्टी से सने हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर भी कुछ ऐसी ही हैं, जिसमें वर्दी और हाथ दोनों मिट्टी में सने हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए वरुण ने छोटा सा कैप्शन लिखा - बॉर्डर 2।

वरुण धवन का पोस्ट उस समय आया है जब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने दिलजीत दोसांझ पर लगाया गया अस्थायी बैन कुछ समय के लिए हटा लिया। बता दें कि सरदार जी 3 में पाक कलाकार के साथ काम करने पर उठे विवाद के बाद दिलजीत दोसांझ पर फिल्म इंडस्ट्री में काम करने पर रोक लगा दी गई थी। अब उन्हें सिर्फ बॉर्डर 2 फिल्म में काम करने की इजाजत दी गई है, बाकी फिल्मों में काम करने पर अब भी रोक लगी हुई है। एफडब्ल्यूआईसीई के अध्यक्ष बी.एन. तिवारी ने बताया कि बॉर्डर 2 के प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने खुद फेडरेशन से अपील की कि दिलजीत को इस फिल्म की शूटिंग करने दी जाए। उनकी अपील के बाद ही बैन को इस फिल्म के लिए अस्थायी रूप से हटा लिया गया।

शाल्मली का नया म्यूजिक वीडियो वे यू मूव रिलीज

प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगडे ने शुक्रवार को अपना नया हिंदी गाना वे यू मूव रिलीज किया है। बात करते हुए उन्होंने बताया कि यह गाना प्यार को समर्पित है। गाने में प्यार, पुरानी यादें और आज के दौर के रोमांस को मिलाकर पेश किया गया है। शाल्मली खोलगडे को परेशान, बलम पिचकारी, और लत लग गई जैसे गानों के लिए जाना जाता है। गाने के बारे में बात करते हुए शाल्मली ने से कहा, गाना वे यू मूव उस सादे, सच्चे और चुपचाप वाले प्यार के बारे में है जो बिना बोले भी महसूस होता है। यह भावुक कर देने वाला गाना है। इसमें प्यार को बड़े-बड़े शब्दों या दिखावे से नहीं, बल्कि नजरों, इशारों और साथ रहने की एक खास लय से दिखाया गया है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो में सेक्रेड गेम्स फेम एक्ट्रेस कुब्रा सैत और एक्टर कुणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आ रही है। वीडियो में भारतीय शादियों के खास पहलुओं को दिखाया गया है। इसे एक घर में शूट किया गया है। वीडियो में शादी की रस्में दिखाई गई हैं, जैसे हल्दी, मेहंदी की रस्मों में डांस, और दोस्तों के बीच खुशियों का माहौल आदि। इस म्यूजिक वीडियो की कहानी शाल्मली की खुद की लॉकडाउन में हुई छोटी और निजी शादी से थोड़ी प्रेरित है, लेकिन इसकी कहानी हर उस इंसान के लिए है जो सच्चे, जमीन से जुड़े प्यार को समझते हैं। यह वीडियो दिखाता है कि प्यार दिखावे में नहीं, बल्कि सादगी और दिल से जुड़े पलों में होता है। शाल्मली ने कहा, वे यू आर भारतीय शादियों के प्यार भरे माहौल को सेलिब्रेट करता है, लेकिन बिना किसी दिखावे के। यह गाना असली जज्बातों के बारे में है, ऐसी नजरें जो बिना कुछ कहे सब कह जाती हैं, आराम जो अपनेपन में महसूस होता है, और रोमांटिक डांस, आदि सभी निजी पलों की याद दिलाएगा। यह गाना दिलों को और भी करीब ला देगा।

राजकुमार और मानुषी ने नए ट्रैक राज करेगा मालिक से स्क्रीन पर धमाल मचाया

राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की अगली फिल्म मालिक हर गुजरते दिन के साथ और भी ज्यादा आशाजनक होती जा रही है। अपने पहले गाने नामुमकिन के रिलीज होने के बाद, इसके टीजर और ट्रेलर ने सभी को हैरान कर दिया, अब निर्माताओं ने अपना अगला गाना राज करेगा मालिक रिलीज कर दिया है। याद दिला दें कि ट्रेलर के बैकग्राउंड में इस गाने को कुछ देर के लिए बजाया गया था और इसकी आकर्षक धुन ने पहले ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था। राज करेगा मालिक की दमदार आवाज़ें और प्रभावशाली म्यूज़िक अरेंजमेंट राजकुमार राव के गैंगस्टर अवतार की रौबदार छवि को बेहतरीन ढंग से पेश करते हैं। गाने की मुख्य पंक्ति सबपे राज करेगा मालिक न सिर्फ एक घोषणा है, बल्कि इस शक्तिशाली किरदार के प्रभुत्व को सलामी भी है। यह एक हाई-एनर्जी ट्रैक है जिसमें देसी बीट्स और मॉडर्न एटीट्यूड का परफेक्ट फ्यूज़न देखने को मिलता है। सचिन-जिगर का प्रोडक्शन दमदार और गतिशील है, जबकि अकासा की भयंकर आवाज़ और एमसी स्क्वायर का देसी रैप ट्रैक में जोश और धैर्य दोनों लाता है।

वीडियो की झलकियाँ भी बेहद प्रभावशाली हैं। राजकुमार राव की इंटेंस स्क्रीन प्रेज़ेंस और मानुषी छिल्लर का आत्मविश्वासी और दमदार अंदाज़ गाने की एनर्जी से पूरी तरह मेल खाता है। अमिताभ भट्टाचार्य के लिखे बोल विद्रोह और लय के बीच बेहतरीन संतुलन बनाते हैं, जिससे यह ट्रैक एक पावर एंथम बन गया है – जिसे बार-बार सुना जा सकता है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ हुआ था और इसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। राज करेगा मालिक अब इस हाइप को और भी बढ़ा रहा है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और फैंस, दोनों ही राजकुमार राव के इस बिल्कुल नए और डरावने गैंगस्टर अवतार की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह उनका अब तक का सबसे इंटेंस किरदार बताया जा रहा है।

मैंने कन्नप्पा के किरदार को छह महीने तक जीया: प्रीति मुकुंदन

एक्ट्रेस प्रीति मुकुंदन इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म कन्नप्पा को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं। एक्ट्रेस ने आभार जताते हुए सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया, जिसमें बताया कि उन्होंने इस फिल्म में अपने किरदार को छह महीने तक जीया और महसूस किया। एक्ट्रेस ने बताया कि इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फैंस का धन्यवाद देते हुए लिखा, कभी-कभी जिंदगी में ऐसा समय आता है जब प्यार हमारे आस-पास होता है और शब्द कम पड़ जाते हैं, लेकिन फिर भी जताना जरूरी होता है। पिछले कुछ दिन मेरे लिए बिल्कुल ऐसे ही रहे। जो भी लोग मुझे प्यार, सम्मान और अपनापन भेज रहे हैं, आपको पता नहीं कि आपके ये शब्द मुझे कितना खुश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने छह महीने तक इस किरदार को जीया और महसूस किया, अपनी कला सीखने की कोशिश की और उस समय की भारी शारीरिक मेहनत को सहा। यह देखकर कि मेरी मेहनत आप तक पहुंची है, हर मुश्किल अब आसान लगती है। जब कोई आपके उस काम को देखता है जो आपके दिल से निकला हो, तो वह खास और खूबसूरत होता है। प्रीति मुकुंदन ने कहा, मैं एक्टर के तौर पर सिर्फ दो हफ्ते ही सेट पर थी, और हमारे इंडस्ट्री के कुछ बड़े सितारों के साथ काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव था, खासकर ऐसे समय में, जब मैं अभी अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हूं। मैं अब भी उन यादों को सोचकर बहुत खुश होती हूं। अभिनेत्री ने कहा कि इस सफर में उन्हें कई अच्छे और प्रेरणादायक लोग मिले, जिनके लिए वह हमेशा आभारी रहेंगी। उन्होंने आगे कहा, उन सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मेरे लिए यह सब संभव बनाया। आप सभी का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे प्यार दिखाने और मैसेज करने के लिए समय निकाला। मैं बहुत खुश हूं।

पूजा भट्ट नए पॉडकास्ट के जरिए बताएंगी इंडस्ट्री के सुने-अनसुने किस्से

पूजा भट्ट आईहार्टपॉडकास्ट पर एक नए शो में अपने जीवन के उतार-चढ़ाव को शेयर करेंगी। अभिनेत्री और फिल्म निर्माता पूजा भट्ट ने कहा कि वह इस पॉडकास्ट के जरिए अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल यात्रा के बारे में खुलकर बात करने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे जुड़ेंगे और प्रेरित भी होंगे। भट्ट ने कहा, मैं आईहार्टमीडिया के साथ साझेदारी कर द पूजा भट्ट शो लॉन्च करने को लेकर बहुत खुश हूं। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई प्रेरणादायक कहानियां हैं। मैं इस शो के जरिए उन लोगों पर प्रकाश डालना चाहती हूं जो हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

करण जौहर ने किया खुलासा

आखिर कैसे उर्फी और निकिता ने जीता शो?

मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर ने टीवी शो द ट्रेटर्स के खास पलों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने फाइनल में शो का सबसे बड़ा सवाल सही तरीके से समझा और हल किया।

शो के होस्ट करण जौहर ने कहा कि उर्फी और निकिता की बेहतर समझ और सही समय पर फैसला लेना उनकी जीत की वजह थी। उन्होंने बताया कि यह सीजन उनकी उम्मीदों से ज्यादा मजेदार रहा। करण जौहर ने कहा, द ट्रेटर्स को लेकर हमें जितनी भी उम्मीदें थीं, शो उन सभी उम्मीदों पर खरा उतरा है। खिलाड़ियों को विश्वासघात, प्लानिंग और अपनी सहज भावना के बीच खेलते देखना मनोविज्ञान का अच्छा सबक था। उर्फी और निकिता अलग-अलग दुनिया से हैं, लेकिन दोनों ने मिलकर शो का सबसे बड़ा सवाल हल कर दिया, जब भरोसा ही सबसे बड़ी चीज हो, तो किस पर भरोसा करें? दोनों ही जीत के योग्य थीं और यह यादगार रहा। 1उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने द ट्रेटर्स के पहले सीजन में जीत हासिल की।

उर्फी, जो बिग बॉस ओटीटी के लिए भी जानी जाती हैं, ने अपने शो के सफर के बारे में कहा, द ट्रेटर्स मेरे लिए अब तक का सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव से भरा सफर रहा। यह भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से थकाने वाला था। इस शो ने मुझे हर चीज और हर इंसान पर सवाल उठाने पर मजबूर किया, साथ ही अपनी ताकत खोजने में भी मदद की। उर्फी ने कहा, लोग मुझे एक ऐसी खिलाड़ी समझते थे जो अजीब है और ज्यादा बोलती है। लेकिन मैंने दिल से खेला और अपनी सूझबूझ और ईमानदारी दिखाई। मैंने कभी दिखावा नहीं किया और न ही डरकर खेला। मैं कभी पीछे नहीं हटी। द ट्रेटर्स बिना डरे बेखौफ बोलने के बारे में था।

प्रियंका चोपड़ा की हेड्स ऑफ स्टेट के लिए कड़ी तैयारी

प्रियंका चोपड़ा जोनास ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपने फैंस को फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट के एक्शन सीन्स की कुछ झलक दिखाई। प्रियंका ने कड़ी ट्रेनिंग और स्टंट रिहर्सल के कुछ वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए। वीडियो में वह एक्शन स्टंट करते दिख रही हैं। वीडियो की शुरुआत में प्रियंका दरवाजा खटखटाती हैं, फिर कैमरे की तरफ देखकर हंसती हैं। इसके बाद वीडियो में वह हॉलीवुड की स्टंटवुमन और एक्ट्रेस अनीशा गिब्स से मुश्किल एक्शन स्टंट सीखती दिख रही हैं। उन्होंने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, इसे घर पर न आजमाएं जब तक आपके पास अनीशा गिब्स ना हो। हेड्स ऑफ स्टेट अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। हेड्स ऑफ स्टेट में प्रियंका चोपड़ा, जॉन सीना और इदरीस एल्बा लीड रोल में हैं। यह एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी से भरपूर है। इदरीस एल्बा ने जहां यूके के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क का किरदार निभाया है, वहीं जॉन सीना यूएस के राष्ट्रपति विल डेरिंगर की भूमिका में हैं। इनके अलावा, प्रियंका चोपड़ा ने एम16 एजेंट नोएल बिसेट का रोल अदा किया है। फिल्म की कहानी यूके के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क और अमेरिका के राष्ट्रपति विल डेरिंगर के बीच की नापसंदगी और झगड़े के बारे में है।

40 साल की एक्ट्रेस बनेंगी दो बच्चों की मां

फिल्म 'फैमिली(2006)' में अमिताभ बच्चन की बेटी के किरदार में नजर आई भावना रमन्ना जल्द ही मां बनने वाली हैं। 40 की उम्र में आईवीएफ की मदद से भावना मां बन सकी हैं। मगर यह राह उनके लिए आसान नहीं रही क्योंकि जब डॉक्टर ने उनका सच जाना तो आईवीएफ ट्रीटमेंट देने से इंकार कर दिया था। एक्ट्रेस भावना रमन्ना का घर अब किलकारियों से गूंजने वाला है। जल्द ही वह दो बच्चों की मां बनने वाली हैं। हाल में एक्ट्रेस ने अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी के बारे में एक इंटरव्यू में बताया। दरअसल, भावना सिंगल मदर बन रही हैं। वह बिना शादी के आईवीएफ की मदद से मां बन सकती हैं। इस वक्त वह छह महीने की प्रेग्नेंट हैं। भावना ने अपने प्रेग्नेंसी को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा की है।

जब डॉक्टर्स ने आईवीएफ करने से किया इंकार

भावना से की गई बातचीत में बताती हैं, 'शादी और मेरे रास्ते कभी टकराए ही नहीं, मगर मुझे मां बनना था। 40 की उम्र में ऐसा करना आसान नहीं था। फिर आईवीएफ का सहारा लिया। मगर जब डॉक्टर्स को पता चलता कि मैं शादी-शुदा नहीं हूं और सिंगल हूं तो वह आईवीएफ के लिए मना करते देते थे। बाद में मुझे घर के पास एक क्लिनिक मिला, जहां मेरी ट्रीटमेंट हुआ। पहली ही बार में मैं आईवीएफ ट्रीटमेंट से प्रेग्नेंट हो गई।' भावना के परिवार वाले भी उनके मां बनने के फैसले से काफी खुश हैं।

भावना ने सोशल मीडिया पर खुशी साझा की

भावना रमन्ना ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट भी अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर की है। जिसमें वह लिखती हैं, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यह कहूंगी। लेकिन देखिए मैं प्रेग्नेंट हूं, जुड़वां बच्चों के साथ छह महीने की प्रेग्नेंट हूं। मैं इस वक्त कृतज्ञता से भरी हूं। जब 20 और 30 साल की थी तो मां बनने के बारे में सोचा नहीं था। फिर 40 की हुई तो मां बनने की इच्छा मन में पैदा हुई। एक सिंगल महिला के लिए यह रास्ता आसान नहीं था। कई IVF क्लीनिक ने मुझे सीधे तौर पर मना कर दिया। मगर मेरे पिता, भाई-बहन और शुभचिंतक साथ खड़े रहे। किसी ने मेरे फैसले पर सवाल नहीं उठाए।'

साभार एजेंसी